

# **Daily** सच के हक में...

**Ananya Panday's** 

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

'Bae' Is a...

: 80,905.30 : 24,770.20

6,880

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

### **BRIEF NEWS** प्रधानमंत्री मोदी 2 दिनों के दौरे पर पहुंचे पोलैंड

NEW DELHI : बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिनों के दौरे पर पोलैंड पहुंचे। जिस होटल में वे **टहरे** हैं, वहां भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बच्चों से हाथ भी मिलाया। मोदी के स्वागत में डांडिया नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। पीएम मोदी गुरुवार को पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और फिर राष्ट्रपति आंद्रेज डुडा से मुलाकात करेंगे। यह 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है। इससे पहले 1979 में मोरारजी देसाई वहां गए थे। भारत से रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा थे, मैं पोलैंड और युक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा हूं। पोलैंड के साथ राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरा होने के मौके पर मेरी यह यात्रा हो रही है। पोलैंड मध्य यूरोप का हमारा आर्थिक साझेदार है।

### पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 29 अगस्त तक रोक

NEW DELHI: बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने 29 अगस्त तक पूजा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इससे पहले सुनवाई में कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और यूपीएससी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। सुनवाई में जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा था कि निचली अदालत पूजा पर लगे आरोपों में उलझ गई और याचिका पर सही ढंग से विचार नहीं किया। दरअसल, पटियाला हाउस कोर्ट ने १ अगस्त को पूजा को राहत देने से इनकार कर दिया था। लोअर कोर्ट ने कहा था कि आरोपी से हिरासत में पुछताछ होनी जरूरी है। इसके बाद पूजा ने 8 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। 2023 बैच की ट्रेनी आईएएसअफसर रहीं पजा पर यपीएससी ने पहचान बदलकर तय सीमा से ज्यादा बार सिविल सर्विसेस एग्जाम देने के मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी।

### पाकिस्तान में ईशनिंदा से जुड़े फैसले का विरोध

NEW DELHI: पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सैकडों कट्टरपंथियों की भीड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर धावा बोल दिया। वे पाकिस्तान के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा के ईशनिंदा से जुड़े एक फैसले पर नाराज थे। उन्होंने एक अहमदिया व्यक्ति को राइट टु रिलीजन के तहत ईशनिंदा के आरोपों से बरी कर दिया था। घटना सोमवार की है, लेकिन मीडिया पर इसका वीडियो अब सामने आया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व आलमी मजलिस तहफ्फुज-ए-नबुवत कर रही थी। इसमें उनका साथ जमात-ए-इस्लामी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयुआईएफ) के नेता भी दे रहे थे।

# भारत बंद में गूंजी एससी रिजर्वेशन में कोटा देने के खिलाफ आवाज

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के एससी रिजर्वेशन में कोटा लागू करने की अनमति देने के खिलाफ दलित-आदिवासी संगठनों ने 14 घंटे का भारत बंद बुलाया। इस दौरान विरोध की आवाज को बुलंद करने की कोशिश की गई। इसका असर कहीं अधिक तो कहीं कम दिखा। नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी आर्गनाइजेशन ने इसे दलित और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। गुजरात, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश और युपी में बंद का सबसे ज्यादा असर दिखा। कांग्रेस, टीएमसी, सपा, बसपा, राजद, झामुमो समेत कई दलों ने बंद का समर्थन किया। कहीं-कहीं ट्रेनों को रोका गया तो कहीं–कहीं पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। गुजरात की कई जगहों पर इसका खासा असर दिखा।

## गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों में दिखा अधिक प्रभाव



## पुलिस ने किया लाठीचार्ज

भारत बंद के दौरान कुछ जगहों अशांति फैलने के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। बंद के दौरान गुजरात में प्रदर्शनकारियों ने एक मालगाड़ी और सड़कें अवरुद्ध कर दी। गुजरात के छोटा उदयपुर, नर्मदा, सुरेंद्रनगर, साबरकांठा और अरावली जैसे जिलों के आदिवासी और दलित समुदाय बहुल इलाकों में बंद का व्यापक दिखा। यहां बाजार बंद रहे। सुरेंद्रनगर जिले के वाधवन तालुका में प्रदर्शनकारियों ने मालगाड़ी रोंक दी और नारेबाजी की। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची। भिलोदा और शामलाजी के मुख्य बाजारों में दुकानें बंद रहीं।

## झारखंड में रहा मिला-जुला असर कम चले वाहन, बंद रहीं दुकानें

RANCHI: भारत बंद का राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में मिला-जुला असर पड़ा। रांची व राज्य के अन्य जिलों में सुबह से ही बंद समर्थक सड़कों पर उतरे। रांची में ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। लंबी दूरी की गाड़ियां भी नहीं चलीं। राजधानी में ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। अलग–अलग दलों से जुड़े नेताओं की टोली बारी-बारी से बंद को सफल बनाने के लिए झंडे-बैनर के साथ सड़क पर उतरी। इमरजेंसी सेवा को छोड़ बाकी सभी सेवाएं बंद में शामिल रहीं। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सड़कों पर छिटपुट



वाहन चले। राज्य के कई इलाकों में सडक और रेल सेवा भी बाधित करने की खबर है। रांची से अन्य जिलों के लिए खुलने वाली बस सेवा बंद रही।

## अब झारखंड मुक्ति मोर्चा में रहने की संभावना कम

# चम्पाई नहीं लेंगे राजनीति से संन्यास, बनाएंगे अपनी पार्टी

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:** 

मंगलवार को कोलकाता से लौटने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने बुधवार को सरायकेला-खरसावां स्थित अपने पैतृक गांव जिलिंगगोड़ा में एक जनसभा को संबोधित किया। बुधवार की सुबह जैसे ही चम्पाई घर से निकले, बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके घर के बाहर जुट गए। उन्होंने कहा कि कोलकाता से लौटने के बाद उनकी बहुत से लोगों से बातचीत हुई। मंगलवार की रात भी 5000 से अधिक लोगों के साथ उन्होंने बात की। इसके बाद वे बड़ा फैसला लेने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने तय कर लिया है कि वह राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे। अगर आदिवासियों और दलितों के हित की बात करने वाला कोई साथी मिलेगा, तो उनके साथ आगे बढेंगे। इससे जाहिर है कि अब झारखंड मुक्ति मोर्चा में उनके रहने की संभावना बहुत कम है।

• सरायकेला व पोटका के गांव-गांव में बैठक कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री

• आदिवासियों और दलितों के हित की बात करने वाले के साथ आगे बढ़ने का निर्णय



• जिलिंगगोडा में किया जनसभा को संबोधित 'टाइगर जिंदाबाद' के लगे नारे

### उनके आने का न आग्रह करेंगे, न विरोध : मरांडी

पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन की घोषणा के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चम्पाई सोरेन बहुत समझदार हैं। वह अपनी मंजिल खुद ढूंढ़ लेंगे। वह संघर्षशील रहे हैं और वो आने सही राह पर चलेंने। साथी ढूंढ़ रहे हैं तो सही साथी भी ढूंढ़ लेंगे। मरांडी ने कहा कि वो चम्पाई सोरेन से ना बीजेपी में

## लोगों ने कहा- दादा आप आगे बढ़ें, हम आपके साथ

चम्पाई ने कहा कि सभी जानते हैं कि जब मैं कुछ भी नहीं था, तब भी यहां के मजदूरों के हक में आवाज बुलंद करता था। उनकी लड़ाई लड़ता था। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि वह अपनी नयी पार्टी बना सकते हैं, मगर राजनीति घोषणा के बाद सभा में मौजूद लोगों ने चम्पाई सोरेन के समर्थन में जमकर

नारेबाजी की। लोगों ने कहा कि दादा आप आगे बढ़ें, हम आपके साथ हैं। इस दौरान झारखंड का टाइगर जिंदाबाद के नारे भी लोगों ने लगाए। चम्पाई ने कहा कि वे झारखंड के शोषित, दलित, आदिवासी एवं गरीबों को न्याय दिलाने की महिम में निकल पड़े हैं। उनकी स्रोत्त राज्य को आदर्श बनाने की है। वे इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा

कि उन्हें विश्वास हो गया है कि उनके अगले कदम का ग्रामीण बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वे नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस अध्याय में ग्रामीणों का पर्ण सहयोग मिलेगा। आगे के कदम में सभी लोग मेरा पर्ण सहयोग करेंगे। द्यारखंड गढन के 24 साल बाद प्रदेश में अलग उत्साह का संचार करूंगा।

# फाडटर एयरक्राफ्ट से

### बम जैसी चीज गिरने से हुआ तेज धमाका

JAISALMER : बुधवार को राजस्थान में जैसलमेर के रामदेवरा इलाके में एयरफोर्स के फाइटर एयरक्रॉफ्ट से बम जैसी चीज गिरने से तेज धमाका हुआ। पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में 8 फीट गहरा गड्ढा हो गया। घटना आबादी से दूर सुनसान इलाके में हुई है। इससे कोई जनहानि नहीं हुई है। इस घटना के बाद पुलिस अलर्ट मोड में आ गई। राठोडा गांव के खिंव सिंह ने बताया कि घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे की है। गांव के ऊपर से बहुत कम ऊंचाई में एक एयरक्राफ्ट उड़ रहा था। इसी दौरान गांव की आबादी से करीब एक किलोमीटर दूर जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे। पोखरण एएसपी गोपाल सिंह भाटी ने बताया, 'घटना की सूचना पर रामदेवरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आर्मी, बीएसएफ सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी दी है। गर घटना गोकगा। में ज्ञित थामी रेंज से 15 किलोमीटर की दूरी



चम्पाई को एस्कॉर्ट कर

रात सड़क हादसे के दौरान पलट गया, जिससे वाहन चला रहे पुलिसकर्मी वीरबान सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, वाहन में बैठे एसआई मनोज भगत सहित पांच पुलिसकर्मी गंभीर रुप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए जमशेदपुर स्थित टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया है। घटना मंगलवार की देर रात मुड़िया मोड़ के समीप की है। पूर्व मुख्यमंत्री तीन 🗕 मंगलवार की देर रात दिनों के बाद दिल्ली से अपने घर में हआ हादसा जिलिंगगोडा लौट रहे थे। उन्हें एस्कॉर्ट करने के लिए सरायकेला पुलिस लाइन से एक एसआई सहित पांच पुलिसकर्मी गए थे। जब वे चम्पाई सोरेन को उनके पैतृक गांव छोड़ कर लौट रहे थे, तो मुड़िया मोड़ के समीप विपरीत दिशा से आ रहे वाहन के साथ पुलिसकर्मी के वाहन की टक्कर हो गई, जिससे पलिसकर्मियों का वाहन पलट गया।



महतो, सावन चंद्र हेम्ब्रम व सिलास मिलसन लकड़ा गंभीर रुप से घायल हो गए। टक्कर की आवाज सनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। सरायकेला थाना की पलिस ने घायलों को इलाज के लिए पहले सदर अस्पताल पहुंचाया.

वाहन में सवार एसआई मनोज बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने भगत, सिपाही हरिश लागुरी, दयाल टीएमएच रेफर कर दिया।

### पंचायत स्तर पर लगाए जाएंगे विशेष कैंप 30 से 15 सितंबर तक चलेगा

# सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

**PHOTON NEWS RANCHI:** झारखंड में कछ ही महीनों के बाद विधानसभा चुनाव की तारीख का एलान होने वाला है। इस बीच हेमंत सोरेन एक बार फिर 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम की शुरूआत करने जा रहे हैं। इसके तहत 30 अगस्त से 15 सितंबर तक पंचायत स्तर पर एक विशेष कैंप लगाए जाएंगे। इस संबंध में मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने सभी विभागीय सचिवों को पत्र जारी कर इसे सफल बनाने का निर्देश दिया है। इस कार्यक्रम

- एक सप्ताह पहले प्रचार कराने का निर्देश
- प्रोग्राम में कई योजनाओं का लाभ ले सकती है झारखंड की जनता

के अंतर्गत राज्य सरकार के योजनाओं आधिकारिक लाभ लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। इन शिविरों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी भी देने का काम किया जाएगा।

RANCHI : झारखंड कैबिनेट की कक्ष में बैठक आयोजित की जाएगी। की बैठक हुई थी। ३० प्रस्तावों पर मंत्रिपरिषद ने मुहर लगाई थी। इसके तहत झारखंड के मंत्री समेत प्रोत्साहन योजना के नामकरण में संशोधन को स्वीकृति दी गई थी।

### 29 को होगी हेमंत कैबिनेट की बैठक

बैठक २९ अगस्त को होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक शाम चार बजे से शुरू होगी। इस दौरान कई अहम प्रस्तावों पर कैबिनेट से मुहर लगेगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग द्वारा इसकी सुचना दी गई है। झारखंड मंत्रालय के मंत्रिपरिषद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में पिछले २४ जुलाई को झारखंड कैबिनेट अधिकारियों को मोबाइल की सुविधा देने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री बहन बेटी मई-कुई स्वावलंबन

**AGENCY KOLKATA:** कोलकाता में टेनी डॉक्टर की रेप

## सीआईएसएफ ने संभाली अस्पताल की सुरक्षा की कमान, लिया पूरा जायजा

पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ ईंडी जांच की भी उठी आवाज

सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार से कानून बनाने

की मांग कर रहे डॉक्टरों का प्रदर्शन दसवें

दिन भी जारी रहा। कोलकाता, दिल्ली और

अन्य शहरों में भी डॉक्टरों ने काम नहीं किया।

एथाईआईएमएस दिल्ली ने डॉक्टरों की सरक्षा

के लिए कमेटी बनाई है। इसके अलावा

बुधवार को कोलकाता में भाजपा-कांग्रेस ने

सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और ममता

## रेप-मर्डर केस में 2 एसीपी समेत 3 अफसर सस्पेंड

और मर्डर मामले में सप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा की कमान सीआईएसएफ ने संभाल ली है। सीआईएसएफ के अधिकारी बुधवार को अस्पताल पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बता दें कि 15 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में देर रात हजारों की भीड़ ने हमला कर दिया था। भीड़ ने अस्पताल में तोड़फोड की थी। इस मामले में कोलकाता पुलिस ने बुधवार को 3

पुलिस अधिकारियों का सस्पेंड कर दिया है। इसमें दो असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर भी शामिल हैं। उधर,

अस्पताल के पूर्व डिप्टी सुपरिनटैंडैंट अख्तर अली ने कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और

बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। ममता के खिलाफ पहली बार आप ने भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। डॉक्टरों के प्रदर्शन के बीच टीएमसी नेता ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की। पछा– क्या पुलवामा हमले में न्याय की मांग को लेकर जवान बॉर्डर छोड़कर हड़ताल पर चले जाएंगे तो आप इसे कैसे देखेंगे।

घोष पर कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है और ईडी से जांच कराने की मांग खिलाफ याचिका लगाई है। अली ने की है।

### चंद्रयान-४ व ५ के लिए डिजाइन तैयार

# अब अगले चंद्र मिशन की तैयारी में जुटा इसरो

### चंद्रयान ३ की सफलता के बाद इंडियन

स्पेस रिसर्च आगेर्नाईजेशन यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने अगले चंद्र मिशन की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य चंद्रमा से नमूने एकत्रित कर वापस धरती पर लाना है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बताया कि केंद्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने चंद्रयान 4 और 5 के लिए डिजाइन पहले ही पूरा कर लिया है। सरकार की मंजूरी मांगी गई है। इसके लिए प्रक्रिया चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, चंद्रयान–४ मिशन का मुख्य उद्देश्य चांद से चट्टानों और मिट्टी को धरती पर लाना है। इसमें चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करना, चांद से अंतरिक्ष यान लॉन्च करना और चांद की कक्षा में अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग का प्रदर्शन करना भी शामिल है।

## चंद्रमा से चट्टानों और मिट्टी को एकत्रित कर लाया जाएगा धरती पर



### चंद्रयान-४ को २०२८ में प्रक्षेपित करने का लक्ष्य

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और भारतीय अंतरिक्ष संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के अवसर पर सोमनाथ ने कहा की हमारे पास चंद्रमा पर जाने के लिए कई मिशन हैं। चंद्रयान-3 पूरा हो

चुका है। अब चंद्रयान ४ और ५ का डिजाइन परा हो चका है। इससे पहले इसरों ने कहा था कि चंद्रयान-४ मिशन को २०२८ में प्रक्षेपित करने का लक्ष्य रखा

### अगले पांच सालों में लॉन्च होंगे ७० उपग्रह

चंद्रयान ४ मिशन के अलावा सोमनाथ ने यह भी कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी अगले पांच वर्षों में 70 उपग्रहों को लॉन्च करने की योजना बना रही है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इनमें सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा के उपग्रहों का एक समूह शामिल है। इन ७० उपग्रहों में एनएवीआईसी क्षेत्रीय नेविगेशन प्रणाली के लिए चार उपग्रह शामिल हैं जो स्थिति निर्धारण, नेविगेशन और समय सेवा प्रदान करेंगे।

## शुक्र पर जाने का मिशन टला

इसरो प्रमुख ने कहा कि एजेंसी द्वारा नियोजित शुक्र ग्रह पर जाने वाले मिशन को फिलहाल टाल दिया गया है। हम मिशन का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं। गगनयान परियोजना का पहला मानवरहित मिशन इस वर्ष दिसंबर में प्रक्षेपित किया जाना है। रॉकेट के सभी चरण पहले ही श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र पर पहुंच चुके हैं। साथ ही क्रू मॉड्यूल तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में तैयार हो रहा है तथा सर्विस मॉड्यूल बेंगलुरू के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर में एकीकरण के अधीन है।

### युक्रेन जंग में ६ लाख रूसी सैनिकों की मौत

NEW DELHI: रूस-यूक्रेन जंग में 6 लाख से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत हुई है। यूक्रेनी वेबसाइट कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक यूक्रनी सेना के जनरल स्टाफ ने बताया कि 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर हमले के बाद से 6,03,010 रूसी सैनिक अपनी जान गंवा चुके हैं। जनरल स्टाफ ने टेलीग्राम पर कहा कि युक्रेन ने पिछले ढाई साल में रूस के 8,522 टैंक्स, १६,५४२ बख्तरबंद गाड़ियां, १७,२१६ आर्टिलेरी सिस्टम, 1,166 रॉकेट सिस्टम, 928 एयर डिफेंस सिस्टम, 367 हवाईजहाज, ३२८ हेलिकॉप्टर, १३,९०२ ड्रोन्स, 28 जहाज और 1 सबमरीन बर्बाद हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि मंगलवार को रूस के 1,210 सैनिकों मारे गए। वहीं, रूसी सेना ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि मंगलवार को यूक्रेन के 2,000 से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं। कुर्स्क में हमले से नाराज रूसी सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी हेड दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं।

## स्कूल में बच्चियों से यौन शोषण का मामला

दसवें दिन भी डॉक्टरों ने किया प्रदर्शन

## ३०० प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर, ७२ अरेस्ट

### **AGENCY MUMBAI:** बुधवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले

के बदलापुर में 2 बच्चियों के साथ यौन शोषण मामले में राज्य सरकार ने स्कूल के लिए प्रशासक नियुक्त कर दिया है। इस घटना के खिलाफ 20 अगस्त को हजारों की भीड़ बदलापुर के लोकल ट्रेन के रेलवे ट्रैक पर उतर आई थी। 10 घंटे तक तोड़फोड़ और पुलिस पर पथराव किया था। करीब 17 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने देर रात करीब 300 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। अब तक 72 लोगों को अरेस्ट किया। बुधवार को भी बदलापुर में



इंटरनेट और स्कूल रही। उधर, मामले की जांच के लिए आईजी आरती सिंह के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा और सरकारी वकील उज्ज्वल निकम होंगे। आरोपी को 26 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। वहीं एमवीए ने 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया है।

**BRIEF NEWS** 

### Thursday, 22 August 2024

# कई राजनैतिक संगठनों ने किया प्रदर्शन, नहीं चलीं लंबी दूरी की बसें

# बंद के दौरान कहीं जाम, कहीं हंगामा



विहिप 24 से 1 सितंबर तक मनाएगी स्थापना दिवस

JAMSHEDPUR : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विश्व हिंदू परिषद 24 अगस्त से 1 सितंबर तक शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थापना दिवस मनाएगी। स्थापना के 60 वर्ष परे होने के उपलक्ष्य में इस बार देश-विदेश में विहिप की षष्ठीपूर्ति मनाई जा रही है। आयोजन की तैयारी को लेकर बुधवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में विहिप, जमशेदपुर महानगर समिति और समस्त 13 प्रखंड के पालकों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष अजय गप्ता ने बताया कि 1 सितंबर को बिष्टपर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में वृहद कार्यक्रम होगा। इसमें समाज के सभी वर्ग को जोड़ा जाएगा। बैठक में गौरक्षा प्रमुख मंटू दूबे, सेवा प्रमुख दीपक वर्मा, जमशेदपुर महानगर के संगठन मंत्री संजय सिंह, उपाध्यक्ष गोपीराव, जिला सहमंत्री उत्तम कुमार दास, बजरंगदल से संयोजक मुन्ना दूबे, सहसंयोजक चंदन दास, प्रवीण सिंह व दीपक बजरंगी भी उपस्थित थे।

### विनोद जायसवाल बने विहिप के खुंटी जिलाध्यक्ष

KHUTI: जिले के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता विनोद जायसवाल को फिर से विश्व हिंदू परिषद का खुंटी जिला बनाया गया है जबकि मुकेश जायसवाल को खुंटी नगर का अध्यक्ष बनाया गया है। कोडरमा में पिछले दिन विहिप की हुई प्रांत बैठक में विश्व हिन्दू परिषद में कुछ नये लोगों को भी दायित्व दिया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए अध्यक्ष विनोद जायसवाल ने बुधवार को कहा कि राजीव कुमार झा को जिला मंत्री बनाया गया है। जिला समरसता प्रमुख बिरेंद्र सोनी बनाये गये हैं। जिला कार्यकर्ता विशेष संपर्क प्रमुख सह नगर अध्यक्ष का दायित्व मुकेश जायसवाल को दिया गया है। इनके अलावा बजरंग दल जिला संयोजक अभिषेक कुमार, बजरंग दल जिला सह संयोजक मनीष कुमार, जिला उपाध्यक्ष शिव राज सिंह, अजय साहू और विकास मिश्रा बनाये गये हैं जबिक जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार जायसवाल को बनाया गया है।

### आक्रोश रैली से पहले भाजपा ने निकाला मशाल जुलूस



PALAMU: रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित युवा आक्रोश रैली की पूर्व संध्या पर भाजपा की पलामू इकाई द्वारा मशाल जुलूस निकाला गया। नेतृत्व जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने की। प्रदर्शन करते हुए भाजपा नेता-कार्यकताओं ने छहमुहान तक मशाल जुलूस निकाला। मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि विगत 5 साल में झारखंड की जनता को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने ठगने का काम किया। व्याप्त भ्रष्टाचार, लूट, खसोट, ट्रांसफर-पोस्टिंग के अलावा हेमंत सरकार ने विकास के लिए विशेष कुछ नहीं किया। राज्य में न आदिवासी सुरक्षित हैं और न महिलाएं। न युवाओं को रोजगार मिला ना ही भत्ता। युवा आक्रोश में हैं। आने वाले चुनाव में हेमंत सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगे। इसी आक्रोश को प्रदर्शन करने के लिए 23 अगस्त को रांची मोरहाबादी मैदान में युवाओं की रैली होगी। उन्होंने बड़ी संख्या में आम लोगों से रांची चलने का आह्वान किया।

### वज्रपात से एक बुजुर्ग की मौत

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के केरा पंचायत में बुधवार को वज्रपात से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बाईपीड़ गांव निवासी 60 वर्षीय जगदीश प्रधान अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर में वज्रपात की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

### सरकारी शराब दुकान से 12 लाख की चोरी

PALAMU : जिले के छतरपर थाना से महज आधा किलोमीटर की दरी पर स्थित सरकारी शराब दुकान से 12 लाख की चोरी का मामला सामने आया है। चोरों ने दुकान से 9.50 लाख की शराब एवं ढाई लाख नगद की चोरी कर ली है। घटना को तीन चोरों ने अंजाम दिया। उनकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में सामने आई है। शराब और नगद चोरी करने के बाद चोर अल्टो कार से निकल गए। घटना की जानकारी बुधवार सुबह हुई। इस संबंध में संचालक प्रकाश कुमार के द्वारा छतरपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया है। घटना की पुष्टि उत्पाद अधीक्षक संजीत देव ने की है।

### पति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने लगाई फांसी

PALAMU: पति के प्रताड़ना से तंग आकर 23 वर्षीय महिला ने बुधवार की तड़के मायके में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। बुधवार की सुबह परिजनों ने घर का दरवाजा खोला तो देखा कि महिला फांसी के फंदे से झल रही थी। हालांकि इसके बाद भी परिजन उसे फंदे से उतार कर इलाज के लिए एमआरएमसीएच में लेकर पहुंचे, जहां उसे मृत पाया गया। मेदिनीनगर शहर थाना की पुलिस में दोपहर में पोस्टमार्टम कराया। इस संबंध में महिला के मायके पक्ष के परिजनों का बयान लिया गया है। उसके अनुसार प्राथमिक की दर्ज की जाएगी।महिला की पहचान गढ़वा के ओबरा के रहने वाले नसीम अंसारी की पत्नी आशिया परवीन के रूप में हुई है। पति से प्रताड़ित होने एवं डाइवोर्स लेने के बाद महिला अपने मायके बांसडीह महूगांवा में रह रही थी।

## कोडरमा में दिखा बंद का अधिक असर **PHOTON NEWS KODERMA:**

एससी एसटी मोर्चा ने सप्रीम कोर्ट के द्वारा एससी एसटी आरक्षण को वगीर्कृत किए जाने के वक्तव्य को लेकर बुलाए गए भारत बंद का कोडरमा जिले में व्यापक असर देखा जा रहा है। इस बंद का तमाम विपक्षी पार्टियों ने समर्थन किया है। विपक्षी पार्टी के नेता, भीम आर्मी और एससी एसटी मोर्चा के लोगों ने सड़क पर उतरकर दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पहले बंद कराया उसके बाद रांची पटना मुख्यमार्ग एनएच 20 पर आवागमन को पूरी तरह बाधित कर दिया है। इसके पहले बंद समर्थकों ने महाराणा प्रताप चौक से लेकर झंडा चौक, स्टेशन रोड, हटिया रोड, ओवर ब्रिज, बस स्टैंड, सुभाष चौक का भ्रमण किया और इस रास्ते पर खुली दुकानों को बंद कराया। बसों और ऑटो के परिचालन को ठप करने का भी प्रयास किया। बंद समर्थकों ने कई दुकानों के शटर खुद बंद भी किए। इस दौरान एहतियात के तौर पर पलिस बल के जवान भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार



### नेशनल हाईवे पर ठप रहा परिचालन, सड़कों पर उत्तरे बंद समर्थक

PALAMU : अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण के खिलाफ विभिन्न संगठनों के बंद का पलामू प्रमंडल् के इलाके में व्यापक असर देखा गया। बंद से आम जनजीवन प्रभावित हुआ। नेशनल एवं स्टेट हाईवे पर परिचालन पूरी तरह से ठप रहा। कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और बहुजन समाज पार्टी ने इस बंद का समर्थन किया है। भारत बंद को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पलामू दौरा भी स्थगित हो गया था। बंद को सफल बनाने के लिए आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में बड़ी संख्या में विभिन्न संगठन के लोग सड़क पर उतरे। बंद के कारण डाल्टनगंज, रांची, पलाम से बिहार, छत्तीसगढ और उत्तर प्रदेश जाने वाली यात्री बसों का परिचालन पूरी तरह से टप रहा। बंद के कारण बाजार पर भी असर पड़ा और कई इलाकों में बाजार पूरी तरह से बंद रहे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के सानू सिद्दीकी और सन्नी शुक्ला ने बताया देश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग को विभिन्न जातियों में बाटने की यह साजिश है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बंद की पूरी तरह से समर्थन दिया है और मुख्यमंत्री का कार्यक्रम स्थगित किया गया है। राष्ट्रीय जनता दल के विजय चंद्रवंशी ने कहाँ कि सरकार लोगों को बांटने का काम कर रही है। आरक्षण बचाव संघर्ष सिमति के संदीप पासवान ने कहा देश में कॉलेजियम सिस्टम को भी खत्म करना चाहिए। आरक्षण में वर्गीकरण के

दिखे। कोडरमा जिले के ग्रामीण असर देखा जा रहा है। नेताओं ने क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्रों में बंद का सुप्रीम कोर्ट के द्वारा आरक्षण को

वगीर्कत किए जाने के वक्तव्य को केंद्र सरकार की साजिश बताया।



बाइक रैली निकालकर बंद का समर्थन करते पार्टी कार्यकर्ता। 🌘 फोटोन न्यूज JAMSHEDPUR : अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित संगठनों एवं झामुमो-कांग्रेस के संयुक्त आह्वान पर बुधवार को

भारत बंद का जमशेदपुर समेत पूरे कोल्हान में मिला-जुला असर देखने को मिला। जमशेदपुर शहर में सिटी बसों को छोड़ बाजार आम दिनों की तरह खुले रहे। वहीं मानगो के डिमना चौक, करनडीह में बंद समर्थकों ने सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन किया। करनडीह व आसपास के हिस्सों में बाजार एवं शैक्षणिक संस्थान भी बंद रहे। घाटशिला के अलावा जिले के बहरागोड़ा डुमरिया हाता समेत अन्य क्षेत्रों में बंद का मिला-जला रहा। घाटशिला से बंद समर्थकों ने एनएच-18 को जाम कर दिया। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में मुख्य बाजार भी बंद रहा। सरायकेला-खरसावां जिले में भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिली। शहरी क्षेत्रों में बंद का आंशिक असर देखने को मिला। वहीं ग्रामीण इलाकों में बंद मिला-जुला रहा। कहीं-कहीं स्कूल, बाजार लगभग बंद रहे। कोल्हान प्रमंडल मुख्यालय चाईबासा में झामुमो के नेता और कार्यकर्ता सडक पर उतरे। उन्होंने मार्ग अवरुद्ध कर वाहनों का आवागमन ठप कर दिया। आवश्यक सेवाओं को छोड़ बाजार की सभी दुकानों एवं स्कूल आदि को बंद करा दिया।

## पाकुड़ में रेलवे

आरक्षण

एससी/एसटी

वर्गीकरण पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए वक्तव्य के विरोध में सामाजिक संगठनों का भारत बंद का पाकुड़ जिले में मिलाजुला असर देखने को मिला। कई संगठनों के हजारों लोग सड़क पर उतरे हैं बाजार बंद कराया एवं सड़क जाम किया। भारत बंद को राजनीतिक दल झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं कांग्रेस ने भी अपना समर्थन दिया है। पाकुड़ में भीम सेना, झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और पाकुड़-दुमका, पाकुड़-धूलियान मुख्य सड़क को जाम कर दिया और आरक्षण के समर्थन एवं सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। झामुमो नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह ने बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा आदिवासी,



समर्थन दिया है और हम सभी पार्टी के कार्यकर्ता भारत बंद को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। वहीं एसएसी मोर्चा जिलाध्यक्ष किशन पासवान ने बताया कि आरक्षण के साथ छेड़छाड़ बर्दास्त नहीं करेंगे, क्योंकि देश में हमलोग सबसे पिछड़ा समाज से आते हैं और आरक्षण में छेड़छाड़ चाहे केंद्र सरकार हो या न्यायालय करे इसका खलकर विरोध करेंगे। किशन

रवैया रहा तो आगे जबरदस्त आंदोलन किया जायेगा। भारत बंद के तहत किए गए सड़क जाम के कारण आम सहित खास लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। जिला मुख्यालय स्थित अधिकांश दुकान प्रतिष्ठानें बंद रही। वही कई सांगठनों द्वारा भारत बंद का आह्ववान किये जाने के कारण एक भी बसें नहीं चली तो ट्रेनों के परिचालन पर कोई असर नहीं देखा गया।

## टाटानगर होकर चलेगी

JAMSHEDPUR : दुगार्पूजा के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने टाटानगर होकर संतरागाछी-गोंदिया-संतरागाछी पजा स्पेशल चलाने की घोषणा की है। ट्रेन नंबर-08893/-08894 संतरागाछी-गोंदिया-संतरागाछी ट्रेन अप-डाउन का दो फेरा लगाएगी। इस ट्रेन के चलने से यात्रियों को कोलकाता, दुर्ग, रायपुर, झारसुगुड़ा जाने में सुविधा होगी। यह ट्रेन 20 कोच की होगी। ट्रेन 4 अक्टूबर को गोंदिया से सुबह 11.20 बजे खुलेगी, जो टाटानगर रात 1 बजे पहुंचेगी, वहीं रात 1.05 बजे आगे के लिए खुलेगी। यह ट्रेन 5 अक्टूबर को सुबह 5.20 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। दूसरी ओर से ट्रेन 5 और 10 अक्टबर को चलेगी। 5 अक्टूबर को ट्रेन संतरागाछी से सुबह 7.30 बजे खुलेगी, जो टाटानगर सुबह 11 बजे पहुंचेगी और सुबह 11.05 बजे खुलकर राउरकेला, झारसुगड़ा, रायपुर, दुर्ग होते हुए 6 अक्टूबर की रात 1.30 बजे गोंदिया पहुंचेगी। उसने बताया कि वह बस स्टैंड के

## गिरिडीह में सड़क पर उतरे समर्थक

PHOTON NEWS GIRIDIH

अनुसूचित जनजाति - अनुसूचित जाति में आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के खिलाफ भारत बंद का समर्थन झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ-साथ कांग्रेस समेत कई दलों ने किया है। इस बंद के समर्थन में झामुमो के नेता व कार्यकर्ता बुधवार की सुबह से ही सड़क पर उतर आए हैं। बुधवार की सुबह 4 बजे ही झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में सबसे पहले झामुमो के कार्यकर्ता गिरिडीह रेलवे स्टेशन पहंचे। यहां गिरिडीह - मधुपुर सवारी ट्रेन को रोका गया। काफी देर तक कार्यकर्ता पटरी पर डटे रहे। यहां के बाद कार्यकर्ता बस पड़ाव पहुंचे और सड़क पर बैठ गए। यहां पर सड़क जाम किया और केंद्र सरकार के खिलाफ



जमकर नारेबाजी की। इस दौरान अजित कुमार पप्पू, शाहनवाज अंसारी, अभय, रॉकी के साथ कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। दूसरी तरफ गिरिडीह - डुमरी पथ को बदडीहा के पास जाम कर दिया गया। यहां हरगौरी साहू, तेजलाल मंडल, जगत पासवान के साथ कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसी तरह गिरिडीह पचम्बा रोड को कृष्ण मुरारी शर्मा के नेतृत्व में जाम किया गया। यही स्थिति गिरिडीह -

की भी रही। इन सड़कों को भी झामुमो कर्तकर्ता ने जाम किया। विधायक सुदिव्य कुमार ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार लगातार आरक्षण पर हमला बोलती रही है। बहुजनों के हक पर वार करने का कई दफा प्रयास हो चुका है। केंद्र सरकार संविधान को खत्म करने का लगातार प्रयास करती रही है। देश की व्यवस्था को तोड़ने का प्रयास किया जाता रहा है।

## हजारीबाग में नहीं चले वाहन, परेशान रहे यात्री



बैनर-पोस्टर के साथ नारेबाजी करते समर्थक।

PHOTON NEWS HAZARIBAGH: अनुसचित जाति और अनुसचित जनजाति आरक्षण को लेकर सप्रीम कोर्ट के एक फैसले के विरोध में आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति और बसपा ने भारत बंद बुलाया। कांग्रेस और जेएमएम भी इसका समर्थन की। इसके कारण हजारीबाग में भारत बंद का मिला जुला असर देखने को मिला। बंद समर्थक सड़क पर उतर कर भारत बंद को

की बात करें तो सामान्य दिन की तुलना में आज वाहनों का परिचालन काफी कम था। वाहनों के परिचालन नहीं होने से शहर में भीड़ न के बराबर रहा। बंदी को देखते हुए एहतियातन सभी स्कूलों को पहले ही बंद रखने का आदेश जारी कर दिया था। फिर भी मिशनरी स्कूल बंद हुआ और बच्चे स्कूल गए। इधर, रांची पटना मार्ग के जिला परिषद चौक पर लोग सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते दिखे।

### संतरागाछी-गोंदिया दुगार्पूजा स्पेशल ट्रेन

पुलिस ने पकड़ा। पूछताछ के दौरान

## ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार, मादक पदार्थ जब्त

तस्करी कर रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से छह ग्राम ब्राउन शगर बरामद किया गया है। इस मामले की जानकारी बुधवार की शाम प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि रामगढ़ पुलिस को शहर में ब्राउन शुगर मादक पदार्थ की तस्करी करने की सूचना मिली थी। इस सचना के आधार पर मंगलवार के देर रात रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, प्रभारी थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर और पुलिस की टीम ने राजा बांग्ला के पास ट्रैप बिछाया। इस दौरान एक ब्लू रंग की अपाचे मोटरसाइकिल से जा रहे युवक रितेश कुमार उर्फ बॉबी को



पुलिस गिरफ्त में तस्कर।

पीछे आदर्श नगर में रहता है और वह ब्राउन शुगर की तस्करी करता है। उसके पास से 6 ग्राम ब्राउन शुगर मिल है। साथ ही एक वजन करने वाला मशीन, एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। इसके अलावा उसकी मोटरसाइकिल जेएच 24 जे 5230 को जप्त किया गया है। पूछताछ के दौरान रितेश ने पुलिस को बताया कि रामगढ़ शहर में ब्राउन शुगर की सप्लाई चतरा जिले से होती है। उसके अलावा इस टीम में कई लोग शामिल हैं, जो अलग-अलग इलाके में ब्राउन शुगर की तस्करी करते हैं।

### बीएड थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा के लिए कोल्हान में बने सात केंद्र

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित बीएड थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा के लिए सात केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से तीन केंद्र जमशेदपुर तथा चार में से एक-एक बहरागोड़ा, चक्रधरपुर, सरायकेला व चाईबासा में बनाए गए हैं। बता दें कि विश्वविद्यालय में यह परीक्षा करीब छह महीने विलंब से ली जा रही है। इस वजह से छात्र-छात्राओं को तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परीक्षा कार्यक्रमों एवं केंद्रों के निर्धारण को लेकर विश्वविद्यालय की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। कोल्हान विश्वविद्यालय में चल रही पीजी चौथे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की 28 अगस्त को होने वाली परीक्षा की तिथि में परिवर्तन किया गया है। विश्वविद्यालय की अधिसचना में बताया गया है कि 28 अगस्त को होनेवाली परीक्षा अब 5 सितंबर को होगी।

### आज सोनार सिस्टम के साथ इंडियन नेवी की टीम करेगी ट्रेनी विमान की तलाश

# आठ घंटे बाद लौटी एनडीआरएफ की टीम

सदस्यीय टीम ने बुधवार को सर्च

अभियान की शुरूआत की,

जिसमें स्कूबा डाइवर्स भी थे।

वहीं, स्थानीय गोताखोरों ने भी

रस्सी और झग्गड़ की मदद से

सफल बनाने में जुटे हुए थे। वाहनों

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR सोनारी एयरपोर्ट से उड़े ट्रेनी

विमान का 30 घंटे बाद भी पता नहीं चल सका। मोबाइल लोकेशन और एयर ट्रैफिक कंट्रोल से मिली जानकारी के आधार पर सरायकेला-खरसावां और पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने एनडीआरएफ की टीम के साथ बुधवार सुबह 9 बजे चांडिल डैम में सर्च अभियान शुरू किया।

वजह से 8 घंटे बाद सर्च अभियान बंद कर दिया गया। सर्च अभियान के दौरान घटनास्थल से थोड़ी दुरी पर ही टीम को पानी में एक जोड़ी जुता उतराता मिला, जिसे ट्रेनी पायलट शुभ्रदीप का बताया जा रहा है। परिजनों और एविएशन कंपनी ने इसकी पुष्टि

शाम 5 बजे अंधेरा होने की



विमान की तलाश करती एनडीआरएफ की टीम ।

भी की है। वहीं मौके पर ईचागढ़ की विधायक सबिता महतो तथा ट्रेनी पायलट शुभ्रदीप के परिजन भी लगातार बने रहे। रांची से आई एनडीआरएफ की 16

### जिला प्रशासन ने नौसेना से मांगी मदद

मौके पर मौजूद चांडिल की रसडीओ शुभ्रा रानी ने बताया कि बुधवार को अंधेरा होने की वजह से अभियान बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने नौसेना से मदद मांगी है। नेवी की एक टुकड़ी आज रात तक मौके पर पहुंचे जाएगी, जिसके बाद गुरुवार को नेवी की टीम विमानं की तलाश करेगी। इंडियन नेवी अपने साथ सोनार (साउंड नेविगेशन एंड रेंजिंग) सिस्टम भी लेकर आएगी, जिसकी सहायता से विमान को ढूंढने में मदद मिलेगी।

तलाश की, पर कुछ हाथ नहीं लगा। एनडीआरएफ की टीम ने वापसी के दौरान किनारों पर भी सर्च किया। एनडीआरएफ की टीम को लीड कर रहे सुरज ने

बताया कि टीम लगातार सर्च कर रही थी। जहां भी संभावना जताई जा रही थी, टीम ने उसके आसपास के क्षेत्रों में पानी के अंदर तलाश की, पर कुछ हासिल नहीं हुआ। मौके पर पुलिस और प्रशासन नजर बनाए हुए हैं। चांडिल डैम में गुरुवार को नौसेना की जो टीम तलाशी अभियान चलाएगी, विशाखापट्टनम से आ रही है। विशेष विमान से 15 लोगों की टीम आ रही है, जिसमें 4 हाइड्रोसेलर्स मशीन व अन्य आवश्यक उपकरण होंगे। टीम रांची होते हुए चांडिल पहुंचेगी। इसके लिए सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से अनुरोध

### जमशेदपुर पूर्वी से एनडीए प्रत्याशी होंगे सरयू राय

JAMSHEDPUR : झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सभी पार्टियां अपने-अपने स्तर पर तैयारियां और उम्मीदवारों का चयन करने लगी है। अब एनडीए गठबंधन में सहयोगी जदयू ने घोषणा कर दी है कि जमशेदपुर पूर्वी से पूर्व मंत्री सरयू राय एनडीए के उम्मीदवार होंगे। बिहार सरकार के मंत्री सह झारखंड जदयू के प्रभारी अशोक चौधरी ने बुधवार को जमशेदपुर के माइकल जॉन ऑडिटोरियम में जदयू मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से सरयू राय एनडीए के उम्मीदवार होंगे। पिछले विधानसभा चुनाव में निर्दलीय जितने वोटों से सरयू राय जीते थे उससे डबल वोटों से जीतने का संकल्प जदयू के कार्यकताओं ने लिया है।

## धारदार हूथियार से युवक् की हत्या, बीच सड़क पर फेंका



PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR:

पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित चक्रधरपुर अनुमंडल के सुदूर गांव में धारदार हथियार से युवक की हत्या का मामला सामने आया है। टोकलो थाना क्षेत्र के पैदमपुर गांव में मंगलवार देर रात अज्ञात अपराधियों ने टोला जिलिंगबुरु निवासी 22 वर्षीय माली बोयपाई की हत्या कर बीच सड़क पर फेंक दिया। बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने सड़क पर शव पड़ा देखा. जिसके बाद टोकलो थाना को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची, लेकिन अब तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। एएसपी

पारस राणा ने बताया कि शव देखने से प्रतीत हो रहा है कि हत्यारे ने उसके शरीर पर कई वार किए हैं। मृतक के छोटे भाई दीयु बोयपाई ने बताया कि उसका भाई रात्रि 11 बजे घर के बाहर निकल बातचीत कर रहा था। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने उसके सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया। हमला होने के बावजूद उसने हमलावरों की बाइक का पिछला हिस्सा पकड़ लिया, लेकिन अपराधी उसे सड़क पर घसीटते हुए ले गए। उसका भाई चेन्नई में काम करता था। उसकी दो पत्नी थी, जिसमें पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। दूसरी पत्नी घर पर है।















## Thursday, 22 August 2024

### **BRIEF NEWS** जेपीएससी मुख्य परीक्षा का रिजल्ट जल्दं होगा जारी

RANCHI: झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएसएसी) जल्द ही मुख्य परीक्षा का रिजल्ट जारी करेगा। रिजल्ट लगभग तैयार किया जा चुका है। मुख्य परीक्षा में 5600 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। बताते चलें कि पीटी की परीक्षा 17 मार्च को हुई थी। 22 अप्रैल को पीटी परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था। 22 से 24 जून तक मुख्य परीक्षा ली गई थी। यह परीक्षा 342 पदों के लिए ली गई थी। मुख्य परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद सफल अभ्यर्थियों के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी किया जाएगा।

### झारखंड टीईटी के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

RANCHI: झारखंड एकेडेमिक काउंसिल (जैक) ने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टेट)) परीक्षा के लिए आवेदन जमा करने की तिथि बढ़ा दी है। अब उम्मीदवार 26 अगस्त तक आवेदन जमा कर सकते हैं। पहले टेट परीक्षा के लिए आवेदन भरने की अंतिम तिथि 22 अगस्त निर्धारित थी। लेकिन सर्वर में आयी खराबी के कारण जैक ने आवेदन भरने की लास्ट डेट को बढाने का फैसला लिया। टेट एग्जाम के लिए 23 जुलाई से ही ऑनलाइन आवेदन जमा करने की प्रक्रिया जारी है। अब तक इस परीक्षा के लिए लगभग साढ़े तीन लाख अभ्यर्थी आवेदन दे चुके हैं।

### डॉन पुम एग्जामिनर्स कोसे का हुआ उद्घाटन

RANCHI: ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया और वर्ल्ड ताइक्वांडो मास्टर्स एसोसिएशन (कुकीवन) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो मास्टर इंस्ट्रक्टर कोर्स और डॉन पुम एग्जामिनर कोर्स का उद्घाटन बुधवार को खेलगांव के हरिवंश ताना भगत स्टेडियम हुआ। इसका आयोजन 21 से 26 अगस्त तक होगा। इस सेमिनार में देश-विदेश के लगभग 200 प्रशिक्षक भाग लेंगे। कोर्स का उद्घाटन आईपीएस सरोजनी लकड़ा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

### भारत बंद के समर्थन में निकाली बाइक रैली

RANCHI: बुधवार को ऑल मुस्लिमीन झारखंड प्रदेश रांची महानगर अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्यूबी के नेतृत्व में भारत बंद के समर्थन में मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन किया गया। शाहिद अय्यूबी ने कहा की उच्चतम न्यायालय अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। आज भी एससी समुदाय के लोग समाज में पीछे हैं। उन्हें निजी संस्थानों में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा रहा है। मौके पर पूर्व पार्षद जावेद अख्तर, अनवर उर्फ अन्नु, समीर खान, तौकीर आलम, मोहम्मद अफसर, रिजवान मोजीबी, मोहम्मद कामरान, रेहान मोहम्मद तौसीफ, मोहम्मद आसिफ, सरवर खान और अन्य लोग उपस्थित थे।

# हाईकोर्ट ने डीएसपीएमयू के तृतीय वर्गीय कर्मी के मामले में मांगा जवाब विवि के अत्यधिक वेतन भुगतान की राशि की वसूली के आदेश पर लगी रोक

डॉ श्यामा प्रसाद मखर्जी विश्वविद्यालय के तृतीय वर्गीय कर्मी के वेतन भुगतान को अत्यधिक बढ़कर भुगतान राशि की वसूली का पत्र निकाले जाने को खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने वित्त विभाग एवं मानव संसाधन विभाग और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी मनोज किड़ो की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इसी तरह के एक मामले में हाई कोर्ट ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के द्वारा कर्मियों के अत्यधिक वेतन की वसली को लेकर निकल गए पत्र पर रोक लगा दी थी। लेकिन पुनः विश्वविद्यालय के द्वारा 17 अगस्त 2024 को रिकवरी प्रक्रिया में शुरू करते हुए उन्हें शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। जबकि हाई कोर्ट ने मनोज कुमार सहित 37 अन्य विश्वविद्यालय कर्मियों के मामले में प्रार्थियों को 22 अगस्त 2024 तक अपना रिप्रेजेंटेशन

### राज्यसभा चुनाव हॉर्स ट्रेडिंग मामले में राजकुमार को राहत

वर्ष 2011 के राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग मामले में आरोपी सीता सोरेन के साथ सह आरोपी राजकुमार अग्रवाल को झारखंड हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने राजकुमार अग्रवाल के खिलाफ सीबीआई कोर्ट में चल रही ट्रायल को निरस्त कर दिया। राजकुमार अग्रवाल ने निचली अदालत में मामले से संबंधित चल रहे केस वह चुनौती देते हुए कहा था कि आयकर विभाग ने उन्हें पैसा बरामद मामले में क्लीन चिट दे दी है, यह पैसा उनका नहीं है। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि आयकर विभाग ने वर्ष 2016-17 में राज्यसभा चुनाव 2011 के समय बरामद २.15 करोड़ रुपए को उनका नहीं बताया था। आरोप लगाया गया था कि जो पैसा पकड़ाया था उससे सीता सोरेन को घूस दिए जाने की बात कही गई थी। चूंकी आयकर विभाग ने वह पैसा उनका नहीं बताया है इसलिए घूस देने की बात गलत है। इसलिए उनके खिलाफ सीबीआई कोर्ट में क्रिमिनल केस नहीं चलना चाहिए। कोर्ट ने प्रार्थी की दलील सुनते हुए सीबीआई कोर्ट में उनके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को निरस्त कर दिया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि को देने और विवि को उसपर पुनर्विचार करने को कहा था। तब तक अत्यधिक वेतन वसली से संबंधी विश्वविद्यालय के आदेश पर रोक

दी थी। लेकिन 22 अगस्त तक रिप्रेजेंटेशन देने के पूर्व ही प्रार्थियों को शो कॉज नोटिस जारी करते हुए रिकवरी प्रक्रिया शरू कर दी गई है। जो हाईकोर्ट के पूर्व के आदेश की अवमानना है। दरअसल, श्यामा

प्रसाद मखर्जी विश्वविद्यालय ने अपने ततीया और चतर्थवर्गीय कर्मियों को अत्यधिक वेतन भुगतान वापसी के संबंध में पत्र जारी करते हुए कहा था की सातवें वेतनमान

भगतान की शर्त पर सात दिनों के अंदर न्यायालय के समक्ष सरेंडर करने का निर्देश दिया।

प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने बुधवार को कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर याचिकाकर्ता

रंजीत कुमार उर्फ रंजीत कुमार केशरी उर्फ रंजीत साहू पर दो हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना की

राशि रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार( डालसा), रांची को भुगतान करने को कहा गया है। यह जुर्माना तय समय

मामले के आरोपी) रंजीत साहू को बीते 25 जुलाई को अग्रिम जमानत की सुविधा प्रदान की थी। कोर्ट ने याचिकाकर्त

याचिकाकर्ता के वकील अविनाश कुमार पांडे ने सरेंडर करने के लिए और समय की मांग करते हुए याचिका दाखिल

की थी। याचिका में कहा गया था कि जमानतदार की व्यवस्था न होने और सरेंडर की तारीख के बारे में जानकारी के

बढ़ाने की प्रार्थना करते हुए याचिका दाखिल की। अदालत ने सुनवाई पश्चात औंतम अवसर देते हुए दो हजार रूपए के

अभाव के कारण आदेश का पालन नहीं कर सका। इसलिए जमानत बॉड प्रस्तुत करने के लिए सरेंडर की अवधि

संबंधित कोर्ट में दो सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का निर्देश दिया था। लेकिन दो सप्ताह बाद भी सरेंडर नहीं किया।

पर कोर्ट में सरेंडर नहीं करने और समय मांगने पर अदालत ने लगाया है। अदालत ने याचिकाकता (धोखाधड़ी

इसलिए उन्हें किए गए अत्यधिक वेतन को वापस करना होगा। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार ने पैरवी की। अधिवक्ता मुखर्जी विवि ने सातवें वेतनमान के तहत प्रार्थी को 13 लाख रुपए अधिक का भुगतान किए जाने के संबंध में पत्र निकाला है। कहा है कि उन्हें सप्तम वेतनमान के तहत अधिक भुगतान कर दिया गया है जिसकी वसूली की जाएगी। उन्होंने कोर्ट को बताया कि विवि

क्या है मामला : झारखंड सरकार के वित्त विभाग के अधिसूचना 18 जनवरी 2017 के तहत राज्य के सभी कर्मियों के एक जनवरी 2016 से केंद्रीय सप्तम वेतनमान की सिफारिश के आलोक में लाभ देने का निर्णय लिया गया था। इसके आलोक में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय ने 25 जनवरी 2023 को अधिसूचना जारी की जिसके तहत सप्तम वेतनमान का लाभ कर्मियों को 1 जनवरी 2016 से दिए जाने का निर्णय लिया एवं विश्वविद्यालय के द्वारा सभी बकाया वेतन कर्मियों एवं शिक्षकों

### जमीन की अवैध खरीद बिक्री के मामले में पूर्व डीसी छवि रंजन को मिली जमानत

RANCHI: बरियातू की चेशायर

होम रोड जमीन की अवैध तरीके से खरीद बिक्री मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की ओर से दायर जमानत याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने छवि रंजन की जमानत अर्जी को स्वीकत करते हुए उन्हें जमानत प्रदान की। पूर्व में दोनों पक्षों की सनवाई परी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। दरअसल, चेशायर होम रोड की 1 एकड़ जमीन गड़बड़ी मामले मे ईडी ने ईसीआईआर 5/ 2023 दर्ज किया है। मामले में छवि रंजन, प्रेम प्रकाश, अमित कुमार अग्रवाल सहित 10 आरोपियों के खिलाफ ईडी ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। बता दे कि, ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और बडगाई के राजस्व कर्मचारी सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल 2023 को छापेमारी की थी। इस दौरान बड़ी संख्या में जमीन के फर्जी डीड , मुहर एवं अन्य कागजात ईडी को मिले थे। जिसके बाद 14 अप्रैल 2023 को ईडी ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था।इन पर जमीन के दस्तावेज में छेड़छाड़ करने का आरोप था, बाद में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को इस मामले में संलिप्तता के आधार पर 4 मई

2023 को गिरफ्तार किया गया था।

क्या है व्यवस्था

काम करने वाले महिलाकर्मियों को

करती हैं। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में यह

भी शामिल किया है जब महिलाकर्मी

रात के समय घर लौटती हैं तो उस

समय उनके प्रतिष्ठान मालिक के द्वारा

उन्हें किस तरह से घर भेजा जाता है।

क्या महिला कर्मियों के परिजन उन्हें

लेने आते हैं या फिर उनके जाने के

लिए कैब की व्यवस्था की जाती है।

अगर कैब की व्यवस्था की जाती है तो

क्या कैब के ड्राइवर की पूरी जानकारी

प्रतिष्ठान के द्वारा रखी गई है। रांची के

सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने

कार्यस्थल को लेकर सुरक्षा ऑडिट का

काम लगभग पूरा होने के कगार पर है।

बताया कि राजधानी में महिला

## भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला मशाल



**PHOTON NEWS RANCHI:** 

बुधवार को भारतीय जनता पार्टी कांके मंडल की ओर से कल यानी 23 अगस्त की आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए कांके मंडल अध्यक्ष प्रभात भूषण के नेतृत्व में कांके चौक पर मशाल जुलूस निकाला गया। लोगों को अधिक से अधिक संख्या में आक्रोश रैली में

भाग लेने की अपील की गई। मौके पर पूर्व जिप सदस्य अनिल टाइगर, गिरजाशंकर पांडेय, जिप सदस्या सुषमा देवी, मुखिया राम लखन मुंडा, मुकेश यादव, मुखिया सुमित सुरीन, लक्ष्मण साह, शिव कमार, नसीब लाल महतो, कमलेश राम,दीपक कुमार, अनिल कुमार सहित सैकड़ों

### मादक पदार्थ तस्करी के दोषी को दस साल की सजा

RANCHI: प्रधान न्यायायुक्त सह एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश दिवाकर पांडे की अदालत ने बुधवार को मादक पदार्थ तस्करी मामले में दोषी दुखहरण साहू को दस साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर दो लाख 20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। जुमार्ना नहीं देने पर उसे दो साल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। दोषी चान्हो थाना क्षेत्र के चोरेया गांव निवासी है। इस मामले के एक आरोपित सबीर अंसारी को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में अदालत ने बरी कर दिया है। चान्हों पलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 11 मार्च, 2023 को छापेमारी कर आरोपित के पास से दो किलो गांजा, 40 पीस कफ सीरफ और 14 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद किया था।

## रांची में फीमेल वर्कप्लेस की सुरक्षा ऑडिट शुरू

स्थानीय थाना प्रभारी के द्वारा सभी

### **PHOTON NEWS RANCHI:**

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए गैंगरेप और हत्या की वारदात के बाद पूरे झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ऑडिट शुरू कर दी गई है। सुरक्षा ऑडिट के लिए सभी अस्पताल, नर्सिंग कॉलेज, लेडीज हॉस्टल के साथ-साथ जिन कार्यालयों में महिला कर्मी काम करती हैं, उन सभी स्थलों को शामिल किया गया। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उनके कार्यस्थल का सुरक्षा ऑडिट शुरू किया गया है। राजधानी रांची में सरक्षा ऑडिट का काम लगभग परा कर लिया गया है। सुरक्षा ऑडिट के तहत प्रत्येक थाना क्षेत्र में पड़ने वाले सभी अस्पताल, नर्सिंग कॉलेज, लेडीज हॉस्टल, वर्किंग लेडीज हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल की लिस्ट तैयार कर



रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि राजधानी में चाहे अस्पताल हो

स्थलों का फिजिकल वेरिफिकेशन दौरान पुलिस ने कई बिंदुओं पर

### देर रात लौटने के लिए सुरक्षा ऑडिट में बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल भी शामिल किया गया है। अक्सर यह देखा जाता है कि रांची के तमाम बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान रात 9 से 10 के बीच बंद होते हैं। बड़े शॉपिंग मॉल में बड़ी संख्या में महिलाकर्मी भी काम

## क्या है ऑडिट का आधार

कॉलेज हो या फिर सरकारी और निजी संस्थान जहां महिलाएं काम करती हैं उन स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर किस तरह के इंतजाम हैं, इसे लेकर ऑडिट किया गया है। ऑडिट के दौरान यह देखा गया कि कार्यस्थल पर महिलाओं के आने–जाने की क्या व्यवस्था है। अगर महिलाएं नाइट ड्यूटी करती हैं तो उनके लिए उन स्थलों पर किस तरह की सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करेंवाई जा रही है। जिन कार्यालय में महिलाएं काम करती हैं वहां सीसीटीवी लगा हुआ है या नहीं। कार्यालय के आसपास के क्षेत्रों में अड्रेबाजी तो नहीं होती है। क्या कभी कार्यस्थल पर आने और जाने के समय किसी महिलाकर्मी के द्वारा किसी आपराधिक चरित्र के व्यक्ति के द्वारा छेड़खानी की गई है।

किया गया है। सुरक्षा ऑडिट के रिपोर्ट तैयार की है।

## टीपीसी कमांडर दिवाकर दस्ते के तीन उग्रवादी गिरफ्तार, देसी कार्बाइन बरामद

पलिस ने टीपीसी कमांडर दिवाकर गंझु के दस्ते के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। इसे लेकर बधवार को ग्रामीण एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि तीन टीपीसी उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें बड़कागांव निवासी प्रकाश गंझु, हजारीबाग निवासी राहल लहरी और रांची निवासी मोनू कुमार बड़ाईक शामिल है। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से एक देसी कार्बाइन मैगजीन



गिरफ्तार उदग्रवादियों के बारे में जानकारी देती पुलिस।

सहित, 13 जिन्दा गोली, एक बाइक, जिओ कम्पनी का राउटर और चार मोबाइल फोन बरामद हुआ है। गिरफ्तार उग्रवादियों पर दर्जनों मामले अलग-अलग थाने में दर्ज हैं। पुलिस को सचना मिली थी कि मंगलवार की

बडकागांव, केरेडारी और बढम थाना की सीमा पर स्थित ग्राम छापर में टीपीसी उग्रवादी जमा हुए हैं। जो लेवी वसूलने और किसी बड़ी घटना का अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

### मेकॉन को मिला पब्लिक सेक्टर एक्सेलेंस अवार्ड

RANCHI: मेकॉन को सर्वश्रेष्ठ मिनीरत्न केंद्रीय पीएसयू श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पब्लिक सेक्टर एक्सेलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। भारत में इस्पात उद्योग के लिए इंजीनियरिंग कंसल्टेंट के रूप में वर्ष 1959 में स्थापित मेकॉन ने धातु, ऊर्जा और इन्फ्रास्ट्रकर जैसे कई क्षेत्रों में सम्पर्ण समाधान इंजीनियरिंग परामर्शी संगठन के रूप में खद को स्थापित किया है। मेकॉन के सेवा पोर्टफोलियो में अवधारणा. इंजीनियरिंग, खरीद, परियोजना प्रबंधन, डायग्नोस्टिक अध्ययन, मुल्य वर्धित सेवाएं, ईपीसी निष्पादन, ओ एंड एम सेवाएं शामिल हैं।

## पीएमजीएसवाई के लिए इंजीनियरों की बनेगी टीम

**PHOTON NEWS RANCHI** मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने प्रधानमंत्री ग्राम्य सड़क योजना के लिए अभियंताओं की विशेष टीम गठित करने का निर्देश ग्रामीण कार्य विभाग को दिया है। यह टीम भारत सरकार से पीएमजीएसवाई की योजनाओं की स्वीकृति व आवंटन कराने के लिए समन्वय का काम करेगी। जेएसआरआरडीए अपने अधीनस्थ इंजीनियरों को इसके लिए प्रतिनियुक्त करेगा। बता दें कि, झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पीएमजीएसवाई से सड़कों का जाल





250, 500 व 1000 बसावटों वाले गांव तक सड़क बनायी जा रही है। वहीं, अब 100 की आबादी वाले गांव में भी पीएमजीएसवाई से सड़कें ली जानी हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए अलग से रोड व ब्रिज परियोजनाएं चल रही है।

### 100 में मिले 252 नंबर की हो सीबीआई जांच : बाउरी

RANCHI: पीजीटी-2023 के रिजल्ट में गडबडी की शिकायत सामने आयी है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट पर जारी अंक पत्र से इसकी पृष्टि भी हो रही। 100 अंकों के पेपर में कैंडिडेट को 252 नंबर दे दिए गए हैं। 78 प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले को 156 की जगह 88.23 अंक दिए गए हैं। इसे लेकर बवाल शुरू है। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। बाउरी ने बुधावार को सोशल मीडिया (फेसबुक) पर कहा है कि हेमंत सरकार ने राज्य के युवाओं का भविष्य बेच दिया है।

### राजधानी में ट्रैफिक पोस्ट 42 पर प्रशिक्षित पुलिसकर्मी सिर्फ 343, लोगों को होती है परेशानी

## शहर में 90 किमी रेडियस पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा

राजधानी में प्रशिक्षित ट्रैफिक जवानों की भारी कमी है। इस कारण सिटी में ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में परेशानी हो रही है। रांची में करीब 90 किलोमीटर रेडियस की सड़क पर ट्रैफिक का दबाव है। जिनमें 42 ट्रैफिक पोस्ट हैं। लेकिन इसे संभालने के लिए महज 343 प्रशिक्षित ट्रैफिक पुलिस के कंधों पर ही पूरी जिम्मेवारी है। सिटी की अस्त-व्यस्त ट्रैफिक सिस्टम के पीछे,प्रशिक्षित जवानों का न होना भी एक बड़ा कारण है। झारखंड पुलिस मुख्यालय के रिपोर्ट के मुताबिक, रांची में इस साल जनवरी से लेकर जुलाई तक 104228 वाहनों का चालान काटा गया। इस दौरान जुमार्ने के रूप में 41 164



लाख रूपया वसूला गया। रांची में 1666 ट्रैफिक पुलिस **बल पद स्वीकृत :** रांची में 1666 ट्रैफिक पुलिस बल के पद स्वीकृत हैं। जिनमें 1192

पुलिसबल कार्यरत हैं। इन 1192 पुलिस बल में 580 होमगार्ड और 59 जैप के जवान शामिल हैं। इनमें से सिर्फ 343 पुलिस के जवान ही प्रशिक्षित हैं। बाकी

### निजी कारें २.५८ लाख, तो ९.५५ लाख दोपहिया वाहन

रांची में निजी कार की संख्या 2.58 लाख, तो वहीं मोटरसाइकिल, स्कूटी एवं मोपेड की कुल संख्या 9.55 लाख है। हर साल हो रहे वाहनों की बिक्री में दो पहिया वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 60-65 प्रतिशत रह रही है। जबिक चारपहिया वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत है। बीते 22 सालों में राजधानी रांची में न तो नई सड़कें बनी हैं और न ही सड़कों का चौड़ीकरण किया गया है। लेकिन साल दर साल यहां गाड़ियों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। रोजाना सड़कों पर गाड़ियों की संख्या बढ़ रही है। औसतन हर साल रांची में एक लाख से ज्यादा वाहन बढ़ रहे हैं। इससे ट्रैफिक पर लगातार लोड बढ़ रहा है। फिर भी बुनियादी सुविधाएं नहीं बढ़ी हैं। स्थिति यह है कि शहर के लोग रोजाना जाम की समस्या से जूझ रहे हैं।

849 जवान अप्रशिक्षित हैं। ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात पुलिस कर्मियों से बात करने पर उन्होंने ने बताया की 10 से 12 घंटे ड्यूटी करनी पड़ रही है।पुलिस कर्मियों की संख्या कम होने के कारण उन्हें छुट्टी भी नहीं मिल

पाती है। इसके अलावा ऐसे स्थानों पर भी जवानों की तैनाती है, उसकी भी हालत जर्जर है। तिरपाल, टेंट, बोरा, प्लास्टिक, फ्लैक्स आदि की मदद से जुगाड़ टेक्नोलॉजी के जरिए जवानों ने अपने लिए शेड बना रखा है।

### फसल बीमा योजना 2024 25 का लाभ लेने को 31 तक करा सकते हैं बीमा

बिछाने की योजना चल रही है।

RANCHI: कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग अंतर्गत किसानों का बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ फसल 2024 के लिए फसल बीमा कराया जा रहा है। इसका लाभ लेने को सभी जिलों में सूचना जारी की जा रही है। इसका लाभ लेने को इच्छुक किसान नजदीकी प्रज्ञा केंद्र जा सकते हैं। ऐसा संभव ना हो तो पोर्टल पर ऑनलाईन स्वतः आवेदन के माध्यम से दे सकते हैं। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक है। पंजीकरण में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राजस्व पदाधिकारी द्वारा निर्गत भूमि प्रमाण पत्र चाहिए। तत्काल उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में मुखिया या प्रधान से सत्यापित वंशावली एवं भूमि बटाई प्रमाण पत्र, स्वसत्यापित फसल बुआई प्रमाण पत्र और मोबाईल नम्बर की भी जरूरत रजिस्ट्रेशन के समय होगी।

## पीजीटी स्कैम झारखंड का सबसे बड़ा नियुक्ति घोटाला

### **PHOTON NEWS RANCHI:** बीजेपी के प्रदेश के अध्यक्ष

बाब्लाल मरांडी झारखंड में हुए नियुक्ति घोटाला पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि अनेकों बार बता चुका हुं कि पीजीटी स्कैम झारखंड का सबसे बड़ा नियुक्ति घोटाला है। अब तो इसके प्रमाण भी सामने आने लगे हैं। जेएसएससी ने अपने वेबसाइट पर जो स्कोर कार्ड अपलोड किये हैं, उसके अनुसार 100 अंक के पेपर में 252 अंक दे दिये गये हैं। पीजीटी रिजल्ट प्रकाशन में कई गड़बड़ियां सामने आ चुकी है। हजारों छात्र सरकार से सीबीआई जांच की मांग करते रहे। लेकिन मुख्यमंत्री ने आनन-फानन में नियुक्ति पत्र भी बांट दिया। भारतीय जनता पार्टी युवाओं के साथ किसी तरह का अन्याय नहीं होने देगी। भाजपा उक्त मामले



की सीबीआई जांच करा के पीजीटी नियुक्ति प्रकरण में सीट बेचने वालों को कड़ी सजा दिलायेगी। बाबुलाल मरांडी ने एक्स पर दूसरे पोस्ट में कहा कि झारखंड में आदिवासी बेटियां कल भी बलात्कार का शिकार बनीं और पिछले 4।5 सालों से अब तक यह सिलसिला राज्य में चलते आ रहा है। रांची जिला के चान्हों प्रखंड में नाबालिग आदिवासी बच्ची के साथ मीमशाद अंसारी ने दुष्कर्म किया।

बिहार में एक बार फिर से

अपराधियों का तांडव देखने को

मिला है। एक बार फिर से बेखोफ

बदमाशों ने बैंक को अपना

निशाना बनाया है। इस बार सारण

के सोनपर में दस्साहसिक लट की

वारदात को अंजाम दिया गया है।

हालांकि अभी तक किसी की

गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस

मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, सोनपुर के

व्यस्ततम गोला रोड चौक पर

सबकुछ सामान्य चल रहा था।

तभी दोपहर 12.43 बजे

अपराधियों ने आईडीबीआई बैंक

शाखा में धाबा बोल दिया।

हथियार के बल बदमाशों ने

19,25,000 रुपये की लूट की।

इसके बाद अपराधी हथियार

**BRIEF NEWS** 

मुजफ्फरपुर में दरिंदगी की

शिकार पीड़िता निकली बालिग

MUZAFFARPUR : मुजफ्फरपुर

के पारू में किशोरी से दरिंदगी मामले की जांच में बधवार को

नया मोड़ आ गया। स्कूल के

दस्तावेज में पीड़िता की उम्र 19

साल 4 माह दर्ज है। पारू पुलिस

ने विद्यालय के हेडमास्टर संजीव

कुमार से इस संबंध में प्रतिवेदन

लिया है। पुलिस अब मामले में

दर्ज एफआईआर में लगी पॉक्सो

की धारा को हटाने के लिए

सुपरविजन में विचार करेगी।

पीड़िता की मां ने एफआईआर में

बेटी की उम्र 14 वर्ष बताई थी।

पारू पुलिस की टीम बुधवार को

पीड़िता की उम्र का सत्यापन कराने

के लिए लालुछपरा के नयाटोला

स्थित प्राथमिक विद्यालय में जांच

करने पहुंची थी। पीड़िता से

दरिंदगी के मामले में अबतक

मुख्य आरोपी संजय राय सहित

चार की गिरफ्तारी हो चुकी है। दो

आरोपी फरार चल रहे हैं।

शराब तस्कर अनूप को

पुलिस ने किया गिरफ्तार

KISHANGUNJ: सदर थाने की

पलिस ने एनएच 27 पर खगडा के

समीप से कुख्यात शराब तस्कर

अनुप दास को गिरफ्तार कर लिया

है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर पुलिस ने बंगाल से शराब

लेकर जिले में प्रवेश करने के

दौरान वीर कुंवर सिंह बस स्टैंड

के समीप रुईधासा ओवर ब्रिज से

शराब के साथ गिरफ्तार किया है। सदर थाना के एएलटीएफ प्रभारी

रविशंकर कुमार को गुप्त सूचना

मिला था कि एक शराब तस्कर

बंगाल से शराब लेकर किशनगंज बस स्टैंड आ रहा है। सूचना

मिलते ही एएलटीएफ प्रभारी अपने

टीम के साथ बस स्टैंड पहुंचकर

तस्कर के आने का इंतजार कर रहे

थे। इसी दौरान तस्कर बस स्टैंड से

एक ई-रिक्शा में सवार होकर

रुईधासा ओवरब्रिज से डे मार्केट

की तरफ जा रहा था। जिसके बाद

टीम ने पीछा करते हुए ई-रिक्शा को

रोक कर सवारी की जब तलाशी

ली गई तो तस्कर के पास बैग से

शराब बरामद हुआ। शराब बरामद

होते ही तस्कर को गिरफ्तार कर

सदर थाना लाया गया। गिरफ्तार

शराब तस्कर अनूप कुमार दास

लाइन पाड़ा वार्ड नं. 18 का रहने

वाला है और लंबे समय से शराब

का तस्करी करते आ रहा है।

विद्यालय स्तरीय ज्ञान

विज्ञान मेला आयोजित

BHAGALPUR : सैनिक स्कूल

गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती

विद्या मंदिर भागलपर में बधवार

को विद्यालय स्तरीय ज्ञान विज्ञान

मेला का आयोजन किया गया।

विद्यालय के सचिव उपेंद्र रजक,

प्रधानाचार्य अमरेश कुमार,

प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य

राजकुमार ठाकुर, उप प्रधानाचार्य

अशोक कुमार मिश्र, महेश कुमर

एवं सिद्धार्थ कुमार सिंह के द्वारा

संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर

एवं नारियल फोड़ कर विज्ञान

मेला का उद्घाटन किया गया।

उद्देश्य कथन के क्रम में विज्ञान

प्रमुख सिद्धार्थ कुमार सिंह ने कहा

कि विज्ञान के प्रति रुचि जागत

करना, आविष्कारों में नवीनता

विकसित करना, शोध के प्रति

रुचि जगाना एवं नवाचार के प्रति

नई सोच को विकसित करना

विज्ञान मेला का मुख्य उद्देश्य है।

वैज्ञानिक सोच को

तीन अपराधियों ने वारदात को दिया अंजाम

सोनपुर के आईडीबीआई

बैंक में 20 लाख की लूट

### Thursday, 22 August 2024

### वाहन की ठोकर से बाइक राज्यसभा उपचुनाव के लिए एनडीए समर्थित सवार की मौत, हंगामा उपेद्र कुशवाहा व मनन MUZAFFARPUR: सकरा थाना क्षेत्र के एनएच-28 स्थित नवलपुर मिश्रौलिया गांव के निकट



नामांकन के दौरान सीएम नीतीश कुमार, उपेंद्र कुशवाहा व अन्य।

बिहार में राज्यसभा की दो खाली हुई सीटों पर आज पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा और बीजेपी उम्मीदवार मनन कुमार मिश्र ने नॉमिनेशन किया। खाली हुई राज्यसभा की सीटों में से एक आरजेडी की सीट है तो दूसरी बीजेपी की। नॉमिनेशन के समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित एनडीए के सभी दिग्गज नेता मौजद रहे। एनडीए के दोनों उम्मीदवार का निर्विरोध चुना

जाना तय है। लोकसभा चुनाव में पाटलिपुत्र से आरजेडी की मीसा भारती सांसद चुनी गईं हैं, वहीं नवादा से बीजेपी के विवेक ठाकुर सांसद बने हैं। इसी कारण दोनों सीट पर उपचुनाव हो रहा है। मीसा भारती की सीट पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा एनडीए के संयुक्त उम्मीदवार के तौर पर नामांकन किया। वहीं दूसरी सीट विवेक ठाकुर की सीट पर बीजेपी कोटे से वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार

घायल को सकरा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सक ने मत घोषित कर **AGENCY PATNA:** दिया। घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करने लगे। इसके बाद अस्पताल में अफरातफरी का माहौल हो गया। परिजन इलाज में लापरवाही का आरोप लगा रहे थे एवं मुजफ्फरपुर ले जाने के लिए एंब्रुलेंस की मांग कर रहे थे। एंबुलेंस चालक की खोज की गयी। मौके पर एंबुलेंस चालक के नहीं रहने के कारण परिवार के लोगों ने हंगामा किया। इसकी सचना पर पलिस ने

मंगलवार की रात पिकअप वैन की

ठोकर से बाइक सवार मुजफ्फरपुर

के कल्याणी चौक निवासी रामनाथ

साह (45) गंभीर रूप से घायल

हो गया। वहीं हादसे के बाद

चालक पिकअप वैन छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद लोगों

की भीड़ जुट गयी। लोगो ने मामले

की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने

### शुरू की। इस घटना में शक के कर्मचारियों और ग्राहकों से भी लहराते, हवाई फायरिंग करते हुए लूट की गई। कोई कुछ बोल नहीं परिजन को समझा-बुझाकर आधार पर बैंक के गार्ड को भारत बंद के दौरान पटना में प्रदर्शनकारियों हाजीपुर में वार्ड वार्षद को दौड़ा-दौड़ा कर मारी गोली से चार लोगों की गई जान पर लाटीचार्ज, सिपाही ने एसडीएम को पीटा HAZIPUR : बिहार के वैशाली जिले के हाजीपुर के दिग्घी में वार्ड

मारने की धमकी दी। इस बात की

जानकारी मिलने पर सोनपुर थाना

की पुलिस और सोनपुर के

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी

घटनास्थल पर पहुंचे और जांच

नंबर-5 के वार्ड पार्षद पंकज राय की

गोली मार कर हत्या कर दी गई है।

आरक्षण के मुद्दे पर भारत बंद में शामिल प्रदर्शनकारियों पर पटना में लाठी चार्ज हुआ है। इस दौरान पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। बुधवार की सुबह से पटना की सड़कों पर बंद समर्थक प्रदर्शन कर रहे थे। बेली रोड पर 3 घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा। इसके बाद पुलिस ने रुकनपुरा में प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज कर भीड़ को खदेड़ने का काम किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों में हड़कंप मच गया।

हिरासत में लिया गया है और

उससे पछताछ की जा रही है। इस

घटना की पृष्टि सारण एसपी

डॉक्टर कुमार आशीष ने की है।

पुलिस की टीम बैंक के

एक पुलिसकर्मी के सिर में चोटः दरअसल, बेली रोड पर रुकनपुरा के पास बंद समर्थक दोनों तरफ से सड़क को जाम कर दिए थे। कई एंबुलेंस भी जाम में

प्रदर्शनकारियों को खदेड़ती पुलिस। घंटों फंसी रही। एंबुलेंस को निकालना और सड़क पर यातायात व्यवस्था सुचार करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प भी हुई। पुलिस पर पथराव किया गया। एक पुलिसकर्मी के सिर में चोट लगी है

एक यवती पर एक सिरिफरे

आशिक ने चाक से ताबडतोड

हमला कर दिया। इससे पहले वह

युवती के घर में घुसकर उसे शादी

करने का दबाव बनाया। नहीं मानने

पर उसने चाकू से प्रहार कर उसे

बुरी तरह जख्मी कर दिया। युवती

को बचाने आये उसके पिता और

मां को भी सिरफरे ने नहीं बख्शा।

उसने दोनो के ऊपर भी हमला कर

उन्हें जख्मी कर दिया। हो हल्ला

होने पर मौके पर जुटे स्थानीय

लोगों की मदद से किसी तरह

हमलावर से चाक छीन लिया गया।

चाक छीना झपटी में हमलावर के

सिर में भी चोट आने से वह भी

जख्मी हो गया। सिरफिरा युवक

रोड पर बंद समर्थक के द्वारा जिसका इलाज चल रहा है। बेली

सड़क जाम के कारण कई एंबुलेंस भी फंसी रही। रूपसपुर थाने की पुलिस यातायात व्यवस्था बहाल करने के लिए 3 घंटे तक कड़ी मशक्कत करती नजर आई। जो लोग आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे उन्हें प्रदर्शनकारी घेर ले रहे थे। गाड़ी से चाबी निकाल ले रहे

काफी परेशानी हुई। मौजूद अधिकारियों ने बताया कि पलिस के ऊपर पत्थरबाजी की गई। इसके बाद पुलिस ने लाठी चलायी। प्रदर्शनकारियों को नहीं थी मुद्दे की जानकारीः प्रदर्शन में शामिल कोमल कुमारी ने कहा कि उनके आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। उनके समाज के जिन लोगों ने आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पद हासिल किया वही लोग उनके आरक्षण को खत्म कर रहे हैं। बाबा साहब ने आरक्षण दिया है। इससे छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगी। कोमल कुमारी ने कहा कि यातायात सुचारु किया जाता है उग्र प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शनकारी कुणाल कुमार ने बताया कि उनके

# सेप्टिक टैंक में दम घुटने

राजधानी पटना से सटे बाढ़ अनुमंडलीय थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हुआ है। नवनिर्मित शौचालय के सेप्टिक टैंक में दम घुटने से 4 लोगों की मौत हो गई है। घटना बाढ़ थाना क्षेत्र के पुराई

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नवनिर्मित शौचालय टंकी का सेंटरिंग खोलने के लिए चारों अंदर गए हुए थे। चार मजदुर सेंटरिंग खोलने के लिए टंकी में उतरे थे। इस दौरान एक के बाद एक सभी अंदर फंसते चले गए। पहले सभी के अंदर फंसे होने की सूचना मिली। फिर सभी को सांस लेने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जैसे ही इस हादसे की जानकारी स्थानीय लोगों को हुई, उन्होंने फौरन इसकी



घटना के बाद बैंक में जांच करती पुलिस।

कहना है कि, एक बाइक से तीन

हथियार बंद अपराधी आए।

अपराधियों द्वारा पिस्तौल का भय

दिखाकर काउंटर से 16,75,000

एवं ग्राहक से ढाई लाख रुपये की

घटनास्थल पर मौजूद लोग।

सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और सभी को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू चलाया गया। मामले की सूचना मिलते ही एसडीएम शुभम कुमार ने ऑक्सीजन युक्त एंबुलेंस मौके पर भेजा। चारों को बचाने के लिए रेस्क्यू भी चलाया जा रहा था। लेकिन सभी लोगों की दम घुटने से मौत की पृष्टि प्रशासन ने कर दी है। बाढ़ एसडीएम शुभम कुमार ने चारों के टंकी में फंसने और उनके शव बरामद कर लेने

मंगलवार को पंकज राय को गोली मारी गई है। बताया जा रहा है कि जब पंकज राय अपने घर के पास ही कपड़े की दुकान में बैठे थे तब ही उन्हें गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया गया था। अब इस हत्याकांड का दिल दहला देने वाला वीडियो भी सामने आया है। वीडियो को देखने से पता चल रहा है कि वार्ड पार्षद को दौड़ा-दौड़ा कर गोली मारी गई थी। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि कुछ लोग एक जगह पर बैठे हैं। तब ही अचानक वहां कुछ बदमाश पहुंचते हैं और वार्ड पार्षद को निशाना बनाकर उन्हें करीब से गोली मारते हैं। मौके पर गोली चलते ही अफरातफरी मच जाती है और वार्ड पार्षद पंकज राय समेत अन्य लोग जान बचाने के

लिए इधर-उधर भागने लगते हैं।

### हत्या के दोषी पति को उम्रकैद की सजा व जुर्माना

FARBISGUNJ : अररिया व्यवहार न्यायालय के जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने पत्नी की गला दबाकर हत्या के मामले में पति अरविंद यादव को उम्रकैद की सजा सनाया। साथ ही कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में अरविंद यादव की 60 वर्षीय मां मीरा देवी को दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने अरविंद यादव पर 15 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की राशि अदा नहीं करने पर 03 माह अतिरिक्त कारावास की सजा भगतनी होगी। 35 वर्षीय अरविंद यादव हनुमान नगर, वार्ड 03 थाना फलकाहा जिला अररिया का निवासी है। सरकार की ओर पैरवी कर रहे लोक अभियोजक लक्ष्मीनारायण यादव ने बताया कि यह घटना 03 जून, 2021 की है। बिंदु कुमारी की दहेज में दो लाख रुपये नहीं देने के चलते गला दबाकर हत्या

### करने पर मा-बाप को घोपा चाक् बिहार के बांका जिले में बोल बम के वेश में घर में घुसे एक सनकी आशिक ने जमकर खून-खराबा मचाया है। दरअसल मंगलवार की शाम तारापर के धोबिया पोखर की

सनकी आशिक ने शादी से इनकार

पटना जिले के बाढ़ का रहने वाला बताया गया है। कुछ समय पहले पर वह युवती के साथ नेटवर्क शॉपिंग का काम करता था। सूचना पर पहुंची तारापुर पुलिस की 112 के जवानों ने सभी जिख्मयों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल तारापुर पहंचाया गया। पुलिस ने चाकू को भी जब्त किया है। अस्पताल में घायल अवस्था में इलाजरत पीडित युवती ने बताया कि वह और संतोष कुमार बीते चार वर्षों तक तारापुर एवं सुल्तानगंज में नेटवर्किंग ड्यू शॉप कंपनी में काम करते थे।

### गोपालगंज के दो भाइयों ने नीतीश सरकार से मांगी इच्छा मृत्यु

आरक्षण से छेड़छाड़ हुई है।

GOPALGUNJ : जिले थावे प्रखंड के लोहरपट्टी गांव निवासी एक ही परिवार के दो भाई गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं। आलम यह है कि दोनों भाईयों ने अपनी परेशानी को देखते हुए सरकार से इच्छामृत्यु की मांग की है, ताकि वह सकन से मर सके। इनकी दख भरी कहानी ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। दरअसल यह कहानी है उस यवक की बेबसी . नाउम्मीदी और असहनीय पीड़ा की है, जो बस चाहता है कि उसे मौत आ जाए। हम बात कर रहे हैं थावे प्रखंड के लोहरपट्टी गांव निवासी रामप्रवेश पंडित के 31 वर्षीय बेटे सतेंद्र और 21 वर्षीय बेटा नीतीश की। सतेंद्र और नीतीश एक दुर्लभ बीमारी से पीडित हैं। शरूआती दिनों में यह बीमारी सतेंद्र को हुई। सतेंद्र बोल तो सकता है, लेकिन हिल नहीं

# सुरक्षा बलों को उड़ाने की थी साजिश भारी मात्रा में प्रेशर आईईडी बम बरामद

बिहार के गया-औरंगाबाद के सीमा वाले जंगल के इलाकों में नक्सिलयों की बडी साजिश नाकाम कर दी गई है। गया और औरंगाबाद के सुरक्षा वालों द्वारा संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन में यह सफलता मिली है। 12 प्रेशर आईईडी बम बरामद किए गए हैं। बताया जाता है कि नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के लिए प्रेशर आईईडी प्लांट किया था। इसकी जानकारी गया पुलिस के इमामगंज एसडीपीओ अमित कमार ने दी। बताया कि गया-औरंगाबाद के सीमावर्ती लंगुराही, अकराहट, पचरुखिया के इलाके में सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन चला। इस सर्च ऑपरेशन में औरंगाबाद और गया के सुरक्षा बलों की टीम शामिल थी। इनपुट मिला था कि नक्सली इस



सीमावर्ती इलाकों में साजिश को अंजाम देने की तैयारी में जटे हैं। सचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन चला। सर्च ऑपरेशन में डुमरिया 205 के कोबरा जवानों के अलावे औरंगाबाद और गया ओर से सीआरपीएफ, एसएसबी व जिला पुलिस की टीम शामिल थी। सभी प्रेशर आईईडी बम को डिफ्यूज कर दिया गया है। प्रेशर आईडी बम को डिफ्यूज के

दौरान तेज धमाके हुए जिससे इलाके दहल गए। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनी गई। गौरतलब हो कि इन दिनों गया-औरंगाबाद की सीमावर्ती इलाकों में नक्सिलयों का मनोबल काफी गिरा हुआ है। बड़े नक्सली पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं। गिरफ्तार नक्सली के साथी पुलिस के खिलाफ साजिश रचते रहते हैं। ताकि उनसे बदला लिया जा सके।

### मांझी का परिवार क्रीमी लेयर में आता है या नही

कर दी गयी थी।

PATNA: एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर और सब कैटगरी के खिलाफ भारत बंद के बीच बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने एनडीए के नेताओं को घेरा है। तेजस्वी ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी से सवाल किया है कि वे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का समर्थन कर रहे हैं, तो खुद बताएं कि वे, उनके बेटे संतोष सुमन और परिवार के लोग क्रीमी लेयर में आते हैं या नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बेचारा और लाचार करार दिया। साथ ही चिराग पासवान से उनके संपन्न दलितों को आरक्षण छोड़ देने वाले बयान पर भी सवाल किए। बिहार में अपराध चरम सीमा पर है। सीएम के बस की बात नहीं है, बिहार चल नहीं रहा है, गृह मंत्रालय-कानून व्यवस्था उनके हाथों में है, पूरी तरह फेल हो चुके हैं।

उन्हीं से पूछिए : तेजस्वी

# मंत्री लेसी सिंह को जेड श्रेणी, सांसद विवेक व देवेशचंद्र को वाई श्रेणी की मिली सुरक्षा

बिहार राज्य सुरक्षा समिति की बैठक में वीआईपी सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की मंत्री लेसी सिंह को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। वहीं हाल ही में लोकसभा का चुनाव जीतने वाले देवेश चंद्र ठाकुर और विवेक ठाक्र को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। बिहार सरकार के विशेष सचिव के। सुहिता अनुपम की ओर से इससे संबंधित पत्र बिहार के डीजीपी और एडीजी की विशेष शाखा को भेजा गया है। दरअसल, वीआईपी सुरक्षा को लेकर 16 अगस्त को राज्य सुरक्षा समिति की बैठक की गई। इस बैठक में वीआईपी सुरक्षा को लेकर जो अनुशंसा की गई है। उसके अनुसार जदयू कोटे के मंत्री लेसी सिंह, जदयू के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर और बीजेपी के सांसद



लेसी सिंह

देवेशचंद्र ढाकुर विवेक ठाकुर की सुरक्षा बढ़ाई गई

है। मंत्री लेसी सिंह को जेड श्रेणी की तो विवेक ठाकुर और देवेश चंद ठाकुर को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। बिहार के केंद्रीय मंत्रियों को वीआईपी सुरक्षा मिली हुई है। इसके अलावा भाजपा-जदयू और अन्य दलों के डेढ़ दर्जन से अधिक नेताओं को वीआईपी सुरक्षा दी गई है। बिहार में जिन्हें पहले से वीआईपी सुरक्षा मिली हुई है, उसमें शाहनवाज हुसैन, राजीव

प्रताप रूडी, जनार्दन सिंह

सिग्रीवाल, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, बिहार के मंत्री अशोक चौधरी सहित कई नेता शामिल हैं। बता दें कि, जेड श्रेणी की सुरक्षा में 22 जवान रहते हैं, जिसमें 4 से 6 कमांडो होते हैं। वही वाई श्रेणी की सुरक्षा में आठ जवान और 1 से 2 कमांडो तैनात रहते हैं। बिहार राज्य सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए फैसलों के बाद सुरक्षा बढ़ाने की अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

### शिक्षा विभाग में डेढ लाख से अधिक बहाली की हो रही तैयारी

# चुनाव से पहले नौकरी की होने वाली है बौछार

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 से पहले नीतीश कुमार ने बड़ी घोषणा की है। सरकार ने 7 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार देने की घोषणा 15 अगस्त को गांधी मैदान से की है। अब 7 लाख नौकरी में से शिक्षा विभाग डेढ़ लाख से अधिक बहाली की तैयारी कर रहा है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार के अनुसार प्रधान शिक्षक, प्रधान अध्यापक और कंप्यूटर शिक्षक के डेढ़ लाख से अधिक पदों पर बहाली के लिए हम लोगों ने अपनी डिमांड आयोग को भेज दी है। बिहार के युवाओं के लिए शिक्षा विभाग एक बार फिर से बंपर वैकेंसी लाने की तैयारी कर रहा है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार के अनुसार शिक्षा विभाग की मीटिंग में जो अब तक आंकड़ा मिला है, उसमें प्रधान शिक्षक, प्रधान अध्यापक और कंप्यूटर शिक्षक कि हमें जरूरत है। नीतीश सरकार के



डेढ़ लाख से अधिक पदों पर उनकी बहाली हम लोग करना चाहते हैं और उसके लिए आयोग को अपनी डिमांड भेज दी है। जल्द ही वैकेंसी आएगी। सुनील कुमार, शिक्षा मंत्री, बिहार

सत्ता में आने के बाद 2006- 2007 में बिहार में पंचायत एवं नगर निकाय के माध्यम से 3:45 शिक्षकों को नियोजित किया गया था। वर्ष 2023

में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 220000 सरकारी शिक्षकों की बहाली की गई है। वहीं 180000 शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा पास 2020 में नीतीश कुमार ने गांधी

शिक्षा विभाग

निभाएगा बड़ी भूमिका

मैदान से 10 लाख नौकरी 10 लाख रोजगार का वादा किया था, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री ने 15 अगस्त को गांधी मैदान से कहा कि 12 लाख नौकरी और 34 लाख रोजगार देंगे। अब तक सरकार 5 लाख नौकरी और 24 लाख रोजगार दे चुकी है। शेष बचे 7 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार २०२५ लोकसभा वुनाव से पहले दे देंगे और उसके लिए विभाग को निर्देश दिया गया है। सभी विभागों ने जिसमें बहाली होनी है, तैयारी भी शुरू कर दिया है। शिक्षा विभाग की तरफ से भी पहल शुरू हो गई है। सरकारी नौकरी में इस बार भी शिक्षा विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है।

करने के बाद सरकारी शिक्षक बना दिया गया है और अब डेढ़ लाख से अधिक शिक्षकों की फिर से बहाली की तैयारी है।



# ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीडित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

<mark>इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैं</mark>ड है। ये यूनान के सबसे बड़े ऋीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पडा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में ऋीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके <mark>बाद यूनानी सरकार की बहुत आ</mark>लोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। <mark>इसके बाद से स्पिनालॉनगा आइलैंड</mark> वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

## चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

<mark>गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने</mark> का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चारों धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर <mark>उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते</mark> हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

इतने दिनों का होगा टूर पैकेज भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के <mark>लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता</mark> <mark>दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और</mark> <mark>देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पै</mark>केज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है। <mark>आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास</mark>

<mark>टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों</mark> का है। इच्छुक <mark>यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर</mark> <mark>जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर</mark> सकते हैं।

इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन <mark>रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2</mark>022 को नागपुर से <mark>शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई या</mark>त्रा के जरिए दिल्ली <mark>लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रे</mark>न रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और टहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

<mark>अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,</mark>600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 <mark>जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का</mark> अलग से शुल्क



### मेघालय राज्य की भारत के इक्वीसवें राज्य के रूप मेघालय यानि बादलों का घर। खूबसूरती देखेंगे तो आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी बस देखते ही रह जायेंगे उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा

जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना

में नक्शे पर उभरा, अद्भुत

नैसर्गिक सुषमा का आलय-

जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाडी

है। इन्हीं लोगों को भारत का

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड

जनजातियों का मूल निवास स्थान

प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर

शिलांग मेघालय की राजधानी है।

लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर

जनजातीय देवता शुलांग के नाम

पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन

पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-

चंप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय

स्थानों की सूची छोटी नहीं है।

वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह

स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान

है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली

और झील के बीच में बना लकड़ी

का पुल इसकी विशेषता है। इस

लकड़ी के पुल पर से आप झील

की मछलियों को देख सकते हैं

और चाहें तो उन्हें आटे की

गोलियां भी खिलाएं। निःसंदेह

बच्चों को यह काम बहुत अच्छा

लगेगा। झील के पानी में उतरना

चाहें तो नौकाविहार कर सकते

हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पोधों में

बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं।

यह स्थान बहुत उपयोग साबित

होगा। इसके पास ही स्थित

वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए

डेलिमार वांगखा का तितलियों का

सग्रंह भी देखें। दुनिया भर का

तितलियों से संबंधित जिज्ञासा

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि

जीवन शैली से जुड़ी जानकारियों

चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन

चाहें तो स्टेट सैन्द्रल लाइब्रेरी

आपको अपनी ओर खीचेंगे डांन

बास्को चर्च की विशाल इमारत

और अनूटा प्रार्थना कक्ष ही

1889 में बना भारत का तीसरा

सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी

देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस

स्थान की मखमली धास का मजा

रुचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर

दृश्यों को नजरों में भरना के लिए

समाज की छाप देंखें यहां के बड़ा

बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर

भारत का सबसे बड़ा बाजार माना

सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर

भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक

लेने के लिए आपका गोल्फ में

शिलांग में ही है। चीड़ और

इसकी खासियत हैं।

बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन

जाना उचित होगा। साथ ही

यहां शांत की जा सकती है।

है तो झील के पास स्थित

भी बना देता है।

होना इस स्थान को सुविधाजनक

शहर के बीचों-बीच स्थित है

झील पर्यटकों का ही नहीं

खोजे जा सकते हैं।

खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से

बसे इस शहर का नाम एक

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबिक दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पडा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यू के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यहीं घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी है जैसे मारग्रेट फांल, बिशप फांल, स्वीट फांल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब १० किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपडे ले जाना गलत नहीं

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील

के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने

भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधंक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक

बीमारियों का निदान संभव है। मेघालय की अन्य दो पहाडियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौरे लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग ६४ किमी. दूर हैं। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती हैं की। जयन्तियां राजा तथा विदेशी आऋमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसेनरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। ४ दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनक्लामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग ऋेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक टंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता





## ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइउद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्धं है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

### अजमेर शरीफ

अजमेर में ख्वाजा <mark>मुईनुद्दीन विश्ती</mark> की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा सें 437 किमी। पैदल चलकर खवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढाते हैं।

### आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

### पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर

में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

### अढ़ाई दिन का झोपड़ा

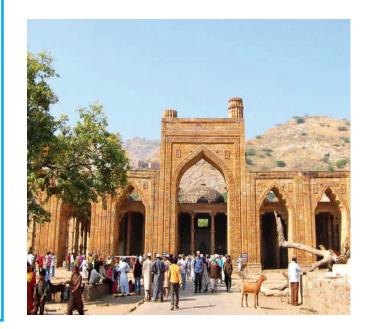
अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपडा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद गोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढ़ाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

### तारागढ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

### सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की निसयां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर हैं। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की निसयां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।



प्रशासनिक विफलता का संकेत

## शहनाई का खत उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के नाम

तुम्हें इस दुनिया से गए 18 बरस हो चुके और इन 18 बरसों में तुम्हारे जाने के बाद जो मैंने महसूस किया वो तुमसे साझा करना चाहती हूं। मात्र 3 साल की उम्र में तुम्हारे नन्हे हाथों ने जब पहली बार मुझे छुआ तो मुझे एहसास हो चुका था कि मैं तम्हारे साथ परे ब्रह्मांड के दर्शन करूंगी। मेरी और तम्हारी यात्रा ९ दशक तक साथ रही और कई पड़ावों से गुजरी, स्वतंत्र भारत के पहले भी और आजाद भारत के बाद भी। स्वाधीनता की पहली किरण के साथ जब मन प्रफुल्लित हो उठा। आकाश में जब इंद्रधनष ने शहनाई के सभी स्वरों का स्वागत किया। लाल किले के प्राचीर से जब राग काफी की गूंज पूरी दुनिया ने सनी मैं तम्हारे साथ थी। उसके साथ ही एक मसलसल सिलसिला शरू हुआ, हर साल 15 अगस्त की सबह का आगाज हमारी मौजूदगी से ही होता रहा और गणतंत्र दिवस पर भी शहनाई की मीठी धुनों ने उन ऐतिहासिक पलों को हमेशा के लिए हमने खुद में समेट लिया। हमने आजादी के स्वर्ण युग का जश्न भी साथ मनाया पर अफसोस हम आजादी के अमृत महोत्सव में शामिल न हो सके और शायद देश भी हमारे योगदान को तब तक भुला चुका था। शायद तुम्हारी बूढ़ी कांपती उंगलियों से निकले स्वर, उन कानों तक नहीं पहुंच सके जो अकसर हर शुभ अवसर में, हर प्रायोजन में हमें बलावा भेजा करते थे। शायद तम मझे भी अपने साथ ले गए और मैं फिर से उसी दौर को जीने को मजबूर हूं, जो गुमनामी में पहले जिया करती थी। मुझे तुमने जो मान दिया मैं उसके लिए सदा के लिए तुम्हारी आभारी हो गई। घर की ड्योढ़ी और आंगन से निकालकर तुमने मुझे कैसे सातवें आसमान पर बैठा दिया और परे विश्व को शहनाई की स्वर लहरियों से गंजायमान कर दिया इसका कोई सानी नहीं है। तमने मझे साधारण से असाधारण बना दिया। लोग कहते हैं कि मैं शादियों की शहनाई हं, पर तम्हारी उंगलियों ने मझे अध्यात्म की आवाज बना दिया। मंदिर की सीढ़ियों पर, गंगा के किनारे, तुम्हारे साथ मैंने मोक्ष की ध्वनि भी गुंजाई। तुम्हारी हर तान में मैं तुम्हारे दिल की धडकन को महसस कर सकती थी। तमने मझे बस एक वाद्य यंत्र नहीं समझा, बल्कि एक जीवित साथी के रूप में अपनाया। तम्हारे बिना मेरा अस्तित्व अधरा है, जैसे तमने मझे अपनी आत्मा का अंश बना लिया हो। मुझे दुःख होता है जब सोचती हं कैसे बाबा काशी विश्वनाथ के प्रति तम्हारी अपार श्रद्धा थी और जब भी तुम काशी से बाहर रहते थे तब काशी स्थित बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुंह करके बैठते थे। काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भृत परंपरा थी लेकिन बिस्मिल्लाह बाबा विश्वनाथ के जीर्णोद्धार में तुम्हें और मुझे भुला दिया गया। तुम्हारे जाने के बाद, मेरी आवाज में वह जादु भी नहीं रहा। मुझे बजाने वाले तो कई हैं, पर तुम्हारी वो खास बिस्मिल्लाह की तान अब कोई नहीं छेड़ता। वो कजरी, वो चैती अब कहीं सुनाई नहीं पड़ती। मुझे लगने लगा है मैं भी तुम्हारे साथ उसी रोज दफन हो गई थी, जिस रोज फातमान दरगाह पर तुम्हारी मजार को पूरा करने पर राजनीति होने लगी। उसे पुरा होने में दस साल लग गए और ये दस साल मेरे लिए किसी कैदखाने से कम नहीं थे। मुझे एहसास हुआ कि ये दुनिया चढ़ते सुरज को ही सलाम करती है, बुझ जाने के बाद सब एक लौ की माफिक ही याद आते हैं। जिस बिस्मिल्लाह ने शहनाई को दुनिया के मानचित्र पर बनारस के समकक्ष लाकर खड़ा कर दिया, जिस बिस्मिल्लाह से बनारस के घाटों की हर सुबह शहनाई की गूंज से सरोबार होती थी, जिस बिस्मिल्लाह ने ताउम्र गंगा जमुनी तहजीब की बेजोड़ मिसाल कायम की, उसी बिस्मिल्लाह को सब इतनी जल्दी भूल गए यह भी भारत रत्न मिलने जैसे ही अनुभव होता होगा शायद? तुम्हारे बिना, मैं खोई-खोई सी हूं। मैं इंतजार करती हूं, शायद किसी दिन तम फिर से आओ और दालमंडी के हडहा सराय का बाठ देखता तम्हारा मकान फिर से बैठकों के उस दौर से जीवंत हो उठे जो तम अपने संगी साथियों के साथ जिया करते थे। इस मकान में कभी कभार दूरदराज से कोई राहगीर चले आते हैं देखने की भारत रत्न कैसे रहा करते थे। कैसे अपनी संगीत साधना से बिना किसी लाग लपेट के देश का गौरव बन बैठे और देश के सभी सर्वोच्च सम्मान पाकर भी लेशमात्र न इतराए। सही मायनों में भारत रत्न भारत का गौरव इसे ही कहते हैं शायद? बिस्मिल्लाह तम भारत रत्न के सही मायनों में पैरोकार हो। तुम्हारी पुण्यतिथि पर सब तुम्हें याद करेंगे। तुम्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे लेकिन शायद इस मकान की धरोहर की ओर फिर किसी का ध्यान न जाएगा। लेकिन मैं ये सोचकर ही गौरवान्वित हो उठती हं कि जब भी देश में सांझी संस्कृति की बात होगी, तब उस्ताद बिस्मिल्लाह की बात होगी। जब भी शहनाई का जिक्र होगा, उस्ताद ही जहन में होंगे। जब भी बनारस का नाम लिया जाएगा। उस्ताद का नाम सर्वोपरि होगा। जब भी मां गंगा को पुकारा जाएगा उस्ताद बहती नदी की तरह उसमें शामिल होंगे....और मैं तुम्हारी इन सभी यादों में बहती धारा की तरह सदा मुश्तमिल (शामिल) रहुंगी।

# डूबती दिल्ली, मरते लोग, दोषी कौन?

### ANALYSIS



ጆ आर .के . सिन्हा

यूं तो हरेक बारिश के मौसम में दिल्ली में जलभराव के कारण लगने वाले लंबे जाम से लाखों लोगों की जिंदगी दूभर हो ही जाती है। पर इस बार बारिश के कारण यहां वहां जमा पानी में लोगों की डूबने के कारण अनेक जानें भी जा रही हैं। साफ है कि जिन सरकारी एजेंसियों, अफसरों और कर्मियों पर देश की राजधानी को ठीक-ठाक रखने की जिम्मेदारी है, वह अपने दायित्वों को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं। इन सरकारी महकमों में व्यापक करप्शन भी इस कर्तव्यहीनता का मुख्य कारण है। कुछ दिन पहले संसद भवन से करीब पांच किलोमीटर दर ओल्ड राजेंद्र नगर में तीन नौजवानों की तब डूब कर मौत हो गई जब वे बेसमेंट में बैठकर पढ़ रहे थे और वहां पानी भर गया था। दिल्ली की मेयर शैली आनंद के क्षेत्र से ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक किलोमीटर भी नहीं है। इसके बावजूद वहां इतना बड़ा हादसा हुआ।

जधानी दिल्ली में इस बार मानसून के मौसम में हो रही भारी बारिश से हाहाकर मचा हुआ है। बारिश के पानी के कारण हो रहे जलभराव में लोग डूब रहे हैं या फिर पानी में खुली बिजली तारों से करंट फैलने से लोगों की जान जा रही है। ये हादसे दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार की काहिली और नकारापन की चीख-चीख कर पृष्टि कर रहे हैं। यूं तो हरेक बारिश के मौसम में दिल्ली में जलभराव के कारण लगने वाले लंबे जाम के कारण लाखों लोगों की जिंदगी दुभर हो ही जाती है। पर इस बार बारिश के कारण यहां वहां जमा पानी में लोगों की डूबने के कारण अनेकों जानें भी जा रही हैं। साफ है कि जिन सरकारी एजेंसियों, अफसरों और कर्मियों पर देश की राजधानी को ठीक-ठाक रखने की जिम्मेदारी है, वह अपने दायित्वों को लेकर कर्तई गंभीर नहीं हैं। इन सरकारी महकमों में व्यापक करप्शन भी इस कर्तव्यहीनता का मुख्य कारण है। कुछ दिन पहले संसद भवन से करीब पांच किलोमीटर दूर ओल्ड राजेन्द्र नगर में तीन नौजवानों की तब डूब कर मौत हो गई जब वे बेसमेंट में बैठकर पढ रहे थे और वहां पानी भर गया था। दिल्ली की मेयर शैली आनंद के क्षेत्र से ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक किलोमीटर भी नहीं है। इसके बावजूद वहां इतना बड़ा हादसा हुआ। आम आदमी पार्टी के सांसद ओल्ड राजेन्द्र नगर से दो मिनट की दूरी पर स्थित न्यू राजेन्द्र नगर में रहते हैं। पर उनकी पार्टी ने उनकी भी कोई क्लास नहीं ली। हादसे के लिए मात्र दो-तीन निगम के निम्न वर्गीय कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया। सवाल यह है कि इस हादसे के लिए

किए जाने वाले उपायों की। पर में बेल मिलने के बाद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया हमारे यहां बदले हुए हालात के जी अपनी दिल्ली सरकार के अनुसार नहीं चला जाता है। सब कामकाज की उपलब्धियां गिनवा काम चालू तरीके से होता है। जाहिर है, इसके बहुत दूरगामी रहे हैं। पर वे यहां जलभराव के कारण हुई मौतों पर चुप हैं। एक परिणाम झेलने पड़ते हैं। हम उम्मीद पैदा हुई थी कि ओल्ड अपनी याददाश्त को अगर टटोलें राजेन्द्र नगर की भयानक घटना के तो पाएंगे कि पर्यावरण में सुधी जनों ने चेतावनी इसलिए ही बहुत बाद यहां नगर निगम कायदे से काम करने लगेगा। उस घटना से पहले ही दी थी। यकीन मानिए दिल्ली खासी व्यथित थी। जनता हमारे बहुत सारे सरकरी विभागों

को लकवा मार गया है। वहां कोई में गुस्सा था। पर नगर निगम का आगे बढ़कर स्वेच्छा से काम चाल-चरित्र-चेहरा नहीं बदला। करने के लिए तैयार ही नहीं है। राजधानी में लोगों की जाने जाती रहीं, क्योंकि तेज बारिश के कारण जाहिर है, इस मानसिकता के सडकों पर पानी भरना जारी रहा कारण ही बेकसर लोग मारे जा रहे और सड़कों पर पैदल चलने वालों हैं। यह सब होने के बाद भी की जान पर बन आई। दो बच्चों सरकारी अफसरों और दिल्ली सरकार के मंत्री किसी भी प्रकार की करंट लगने और डूबने से मौत हो गई। दिल्ली में इस मानसन में की जवाबदेही के लिए तैयार नहीं हैं। क्यों नहीं उनके खिलाफ सख्त अब तक मरने वालों की अबतक ज्ञात कुल संख्या 33 हो गई है। एक्शन होता जिनकी वजह से इतने लोगों की मौत के बावजूद लोग मारे जा रहे हैं या दिल्ली यहां पर सब कछ सामान्य रफ्तार पानी-पानी हो रही है। अजीब सी से चलना साबित करता है कि स्थिति है कि एक तरफ दिल्ली समाज अब पूरी तरह संवेदनहीन बारिश के कारण डूब जाती है, हो चुका है। वह कभी झकभार ही दूसरी ओर दिल्ली वालों को पीने अपनी तीखी प्रतिक्रिया देता है। का साफ पानी तक नसीब नहीं होता। राजधानी में पानी से जुड़े देखिए, जलवायु संकट मानसून में अप्रत्याशित पैटर्न पैदा कर रहा है, सारे मामलों को दिल्ली जल बोर्ड जिससे छोटे, लेकिन बहुत भारी देखता है। दिल्ली जल बोर्ड का बारिश के झोंके अब सामान्य से सर्वाधिक हाल बेहाल है। दिल्ली हो गए हैं। इसके लिए ठोस योजना की आप सरकार के मंत्री और नेता की आवश्यकता है, न कि बाद में रोज केन्द्र सरकार पर आरोपों की

बौछार करने का कोई भी अवसर जाने नहीं देते। वे चिर असंतष्ट प्राणी हैं। उन्हें सबसे शिकायतें हैं। वह कभी खुद भी अपने गिरेबान में झांक तो लें। वह खुद कब इस सवाल का जवाब देंगे कि वह दिल्ली को पेयजल के संकट से फलां-फलां तारीख तक उबार देंगे ? दिल्ली का मतलब सिर्फ हरे-भरे पेड़ों से लबरेज नई दिल्ली का लुटियन क्षेत्र ही नहीं है। राजधानी का मतलब दक्षिण दिल्ली, उत्तर दिल्ली, पश्चिम दिल्ली या यमुना पार की सभ्रांत आवासीय कॉलोनियां भी नहीं है। दिल्ली के लाखों नागरिक उन अनधिकृत कॉलोनियों, घनी बस्तियों, झुग्गियों में भी जीवन यापन करने के लिए अभिशप्त हैं.जहां पर पीने का पानी मयस्सर नहीं है। जरा सोचिए कि किन हालातों में भीषण गर्मी के मौसम में लोग रहते होंगे। राजधानी के लाखों नागरिकों के घरों में पीने का पानी नहीं आता। यह अभागे हर रोज निजी जल आपूर्तिकताओं अपने दिन भर के से उपयोग के लिये पानी खरीदते हैं। दस लाख की आबादी वाले संगम विहार में दिल्ली जल निगम से पानी की सप्लाई नहीं होती। यह हाल है दिल्ली का। जल संकट से जुझ रहे दिल्ली में लगभग आधे जल निकायों का अतिक्रमण और अन्य कारणों की वजह से नष्ट हो जाना

है। दुनिया के सबसे अधिक जल संकट वाले शहरों में से एक, दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर सूचीबद्ध अपने लगभग आधे जल स्रोतों को खो दिया है। जिस समय देश आजाद हुआ था, उस समय दिल्ली के 362 गांवों में 1012 तालाब थे। यह सरकारी आंकड़ा है। एक सर्वे में पता चला है कि दिल्ली में दो हजार से अधिक तालाब और बावड़ियाँ होती थी। आबादी बढ़ने और दिल्ली के विकास के साथ अधिकतर तालाब खत्म कर दिए गए। कई तालाबों पर कॉलोनियां बस गई। जो तालाब बचे हैं, उनमें से आधे से अधिक लगभग सुख चुके हैं। इन तालाबों को फिर से जीवित करना होगा। जानकार मानते हैं कि राजधानी में 500 से अधिक तालाब ऐसे हैं जिन्हें बारिश के पानी से पुनर्जीवित किया जा सकता है और बारिश की पानी से दिल्ली को जलमग्न होने से बचाया जा सकता है। बहुत साल पहले पानी-तालाब पर जीवन खपा देने वाले अनपम मिश्र ने सुझाया था कि यमुना का भी पुनर्जीवन संभव है। अगर यमुना के किनारे वजीराबाद से ओखला के बीच बड़े तालाबों की एक श्रृंखला बनाई जाये। यदि दिल्ली में हमने जल का सही तरह से संरक्षण करना नहीं सीखा तो यहां पर पानी को लेकर भविष्य के दिनों में भारी खन-खराबा होगा। अभी भी बहुत सी अनधिकृत बस्तियों में पानी को लेकर सुबह रोज झगड़े होते हैं। कत्ल तक हो चुके हैं। जल के स्रोत सीमित हैं। नये स्रोत हैं नहीं, ऐसे में जल स्रोतों को संरक्षित रखकर एवं जल को बचाकर ही हम जल संकट का सामना कर सकते हैं। इसके लिए हमें जल के उपयोग में मितव्ययी

## आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं प्रधानमंत्री

तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं. किंत विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनशासन की गाज नहीं गिरने दी, यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चिकत भी करते

के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेन्द्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं. जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाई होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाब्लाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाई हुई है,

दिल्ली की मेयर ने अपने पद से

तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया. जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं। यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरुद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्रवाई ही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गांधी परिवार से आने वाले वरुण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के

बाद संगठन में महासचिव का पद

लेटरल एंट्री पर रोक

दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जितन जीत भी गए। दुसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुध्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस. फिर तणमल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी

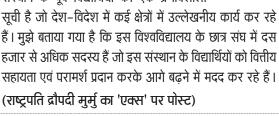
पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा का टिकट दिया। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरुद्ध उनके बयान चर्चा में रहे. संप्रति वे तणमल कांग्रेस के साथ हैं। दिग्गज पत्रकार अरुण शौरी, अटल की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं। और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात

कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे। तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटार देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट से सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी मोदी ने पणे स्थित अस्पताल में अरुण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।

## Social Media Corner

सच के हक में.

मुझे खुशी है कि पिछले पाँच दशकों से भी अधिक समय से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय युवाओं को कुशल और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों की एक प्रभावशाली



भारत रत्न से सम्मानित, सुप्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां जी के हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में अविस्मरणीय योगदान को हम याद करते हैं। हमारी सांझी गंगा–जमुनी संस्कृति के प्रतीक, उन्होंने लोक वाद्ययंत्र शहनाई को वैश्विक मंच तक पहुंचाया और संगीत की दुनिया में नए आयाम जोड़े। उनकी विरासत

हमेशा करोड़ों संगीत प्रेमियों को प्रेरित करती रहेगी। (मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

द्र सरकार ने यूपीएससी द्वारा संयुक्त सचिव और उप-सचिव स्तर के 45 पदों पर सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) की प्रक्रिया को रोकने का जो निर्देश दिया है, उसके गहरे वैधानिक-राजनीतिक निहितार्थ हैं। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की चेयरपर्सन को लिखे अपने खत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जिन चिंताओं का जिक्र किया है, वे वाजिब चिंताएं हैं। देश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान सामाजिक न्याय पर आधारित है और उसका लक्ष्य प्रशासनिक ढांचे में सभी वर्गी की सहभागिता और समावेशिता को सुनिश्चित करना है। मगर इन 45 पदों के लिए जो विज्ञापन दिए गए थे, उनमें आरक्षण की व्यवस्था नहीं थी। जाहिर है, प्रतिपक्ष ने इस पहलू को लपकते हुए विरोध का बवंडर खड़ा कर दिया। अब प्रधानमंत्री के

हस्तक्षेप के बाद आशा है कि

भविष्य में सरकारी नियुक्तियों में वह नियमित भर्ती प्रक्रिया के संविधान में निहित सामाजिक न्याय के आदर्शों का पुरा-पुरा ख्याल रखा जाएगा। वैसे भी, ज्यादा दिन नहीं हुए, जब आरक्षित कोटे से जुड़ी अनियमितता की शिकायतों के मद्देनजर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में 69 हजार सहायक शिक्षकों की नियुक्ति की नई सूची तैयार करने का आदेश सुनाया था। साफ है, सरकारी नियुक्तियों में सांविधानिक व्यवस्थाओं की किसी किस्म की अनदेखी या चुक अदालती विवाद को ही न्योता देगी। लेटरल एंट्री का चलन नया नहीं है। पिछली यूपीए सरकार और उसके पहले की कांग्रेस सरकारों में भी ऐसी नियुक्तियां होती रही हैं। मगर चूंकि वे इक्का-दुक्का पदों पर होती थीं, और चयनित लोग अपने-अपने क्षेत्र के स्थापित नाम हुआ करते थे, इसलिए उनको लेकर बहुत विवाद खड़ा नहीं हुआ। दुर्योग से अब कोई भी सरकारी नियुक्ति हो, चाहे

जरिये ही क्यों न हुई हो. अविवादित नहीं रह पाती। निस्संदेह, इसके मूल में अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या एक अहम वजह तो है ही, सामाजिक-राजनीतिक चेतना का विस्तार भी एक बड़ा कारण है। ऐसे में, शीर्ष स्तर पर दर्जनों लेटरल नियुक्तियां अब किसी सरकार के लिए आसान न होंगी। भले ही ये नौकरशाही की बेहतरी और एक सीमित अवधि के लिए की जाती हैं। मौजूदा नियुक्ति प्रक्रिया को निरस्त किए जाने के पीछे राजनीतिक अवधारणाओं को नकारा नहीं जा सकता। सभी जानते हैं, ह्यसंविधान पर खतरेह्न के विपक्ष के नैरेटिव ने पिछले आम चुनाव में भाजपा व एनडीए को नुकसान पहुंचाया था और अब लेटरल एंट्री के जरिये आरक्षण की सांविधानिक व्यवस्था को और दलितों, आदिवासियों व पिछड़े वर्गों की हकमारी का उसका आरोप

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के आगामी विधानसभा चुनावों के साथ-साथ उप-चुनावों में भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता था। फिर इसके तुरंत बाद झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव हैं, जहां आरक्षण का मसला बेहद संवेदनशील है। इसलिए यह लेटरल एंट्री केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए सिरदर्द बन सकती थी। एनडीए में शामिल लोजपा और जद-यू तो इसके खिलाफ मुखर हो भी चुके थे। ऐसे में, उचित ही केंद्र ने त्वरित कदम उठाते हुए इसे निरस्त करने का फैसला किया है। लोकतांत्रिक राजनीति जन-धारणाओं से संचालित होती है और यदि एक बड़े नागरिक वर्ग में यह अंदेशा पैठ जाए कि उसके अधिकारों में कटौती की जा रही है, तो यह राजनीतिक रूप से ही नहीं, सामाजिक रूप से भी सुखद बात नहीं है। इसलिए प्रधानमंत्री के इस हस्तक्षेप का स्वागत किया जाना चाहिए।

## जागे समाज

महिलाओं के शोषण की घटनाएं जितनी दुखद हैं, उतनी ही शर्मनाक भी। कोलकाता में एक चिकित्सक के यौन उत्पीडन और हत्या का मामला इतना गंभीर हो उठा है कि सर्वोच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। यह बहुत अफसोसजनक है कि महिला शोषण के मामले में भी नेता राजनीति की गुंजाइश खोज लेते हैं। चिकित्सकों का प्रदर्शन लगातार जारी है और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद ने तो प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को एक तरह से धमकाया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल की सरकार है और वहां चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए, पर वह क्या कर रही है? ऐसी स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप जरूरी और स्वागतयोग्य है। जो लोग अभी भी लीपापोती में जुटे हैं, उन्हें अपनी गैर-कानूनी हरकतों से बाज आना चाहिए। जिस तरह का व्यवहार कुछ अधिकारी या नेता अभी दिखा रहे हैं, ऐसे व्यवहारों की वजह से ही देश में प्रति घंटे चार से ज्यादा महिलाओं का यौन शोषण होता है। शोषण के पक्ष में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खड़े होने वाले नेता अपराधियों से भी बड़े अपराधी हैं। महिला शोषण के ऐसे मामलों से देश का कोई राज्य अछूता नहीं है। बच्ची से लेकर बुजुर्ग महिला तक और घर से लेकर बस स्टैंड तक, कोई ऐसी जगह नहीं है, जहां महिलाएं चैन की सांस ले सकें। आप मामले गिनते चले जाइए। उत्तराखंड पुलिस ने रविवार को देहरादून में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर सरकारी बस में एक किशोरी के साथ सामृहिक दुष्कर्म के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। यह किशोरी लाचार होकर घर से भागी थी, उसके साथ संवेदनापूर्ण व्यवहार होना चाहिए था, पर वह उन दरिंदों के चंगुल में फंस गई। इसी तरह, बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में 14 वर्षीय दलित लड़की को अपराधियों ने घर से ही उठा लिया और बाद में परिजन को उसकी लाश मिली।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

### There's more to the Preamble than a

AS I reflect on the recent controversy over the reported removal of the Preamble to the Constitution from select NCERT textbooks, I realise once again the significance of the politics of knowledge. Possibly, it is not easy for the ruling regime to free itself from the alliance of religious nationalism and market fundamentalism, or the politics centred on the cult of a narcissistic/potentially authoritarian personality. Not surprisingly, you and I need not be surprised if the establishment feels somewhat uncomfortable with the grand egalitarian/secular ideal the Preamble articulates.

However, as a teacher with a keen interest in pedagogic practices, I do not want to remain confined merely to what has been deleted from school textbooks. My question is whether the prevalent pattern of classroom transaction is capable of making the young learner understand and internalise the significance of the Preamble, even if it is included in these textbooks. As teachers and educationists, we should reflect on this pedagogic question more seriously rather than getting carried away by the rhetoric of the debate between the overnment and the Opposition.In this context, I feel tempted to refer to the experience of a workshop in which I got an opportunity (thanks to Vikash Sharma of the Shiksha Swaraj initiative) to interact with a group of Class-XI students in the hinterland of rural Bihar. Well, their NCERT text of political theory begins with the Preamble. I asked them to read and feel every word of the beautifully written Preamble: "We, the people of India, having solemnly resolved to constitute India into a sovereign, socialist, secular, democratic republic..." Well, they read it; and I was not sure whether they could make sense of it. In a culture of rote learning and exam-centric education, this grand vision of the kind of India we wish to make, I feared, has already been reduced to a mere 'fact' — soulless, and without any enchanting power, or just a two-mark question in the board examination. But then, I didn't give up; I sought to intervene; and I wanted them to think and reflect. I asked them a simple question: "Do you see democracy in your family, or in your village? They remained silent for quite some time. It was not surprising. The teacher's monologue in the classroom in most of our schools, or the disappearance of lived experiences from our classrooms creates a culture of silence. Seldom do the students get an opportunity to see beyond the frozen words stored in the textbook, articulate their own experiences and ask new questions.

I was aware of this difficulty. Yet, I kept trying. And eventually, some of these students began to speak. "There is no democracy in my family. My father takes every decision. We have no voice," a girl finally spoke. This gave me an opportunity to make them reflect on patriarchy and how it negates the spirit of democracy — democracy as dialogue, art of listening and the process of collective decision-making. Furthermore, I wanted to make them think whether democracy as a way of life can exist in the grand political system if it is not practised in our families, villages, schools and society. Yes, this conversation began to stimulate them. And this time a Dalit girl came forward and asserted confidently. "There is no equality in my village. We are looked down upon; we are stigmatised" — her voice convinced me that education is about asking critical questions and interrogating the taken-for-granted world. In the process of this free-floating conversation, they brought the experiences of lived realities and felt encouraged to see beyond bookish knowledge.At this juncture, I asked them yet another question: "Do you think that the Preamble is just a garland of noble words, and the way our country operates is far from this grand vision?" Initially, they were silent or possibly confused. I kept waiting for their response. And then, a girl began to speak: "There is economic inequality in India; there is 'Hindu vs Muslim politics'; and there is caste oppression. But then, India should try to become like what the Preamble visualises." And this inspired me to make a couple of observations and conclude the session.

## India should engage more with Taliban

Delhi must accept reality of Afghan situation without according diplomatic recognition to the regime

THREE years after the Taliban recaptured Kabul on August 15, 2021, and, for the first time, gained control over all Afghan territory, they remain firmly in the saddle. This is even though their emirate is not internationally recognised and their government is 'interim'. Top leaders of the erstwhile Afghan republic are, except Hamid Karzai and Abdullah Abdullah, scattered outside the country; they have no capacity of mounting an anti-Taliban revolt, violent or non-violent, within Afghanistan. There

have been reports of some small actions, but these do not constitute a threat to the Taliban. The initial general international response towards the Taliban after their victory was to demand (i) the formation of an 'inclusive' government representing all sections of the Afghan polity, (ii) the Taliban should prevent terrorist groups to operate from Afghanistan and (iii) follow internationally accepted standards on gender issues. The US, smarting from its defeat in the 'forever' war, also froze more than \$9 billion Afghan assets. Over the past three years, some countries have intensified contact with the Taliban individually. Indeed, China has sent a new ambassador.

The international community's engagement is through the 'Doha process' initiated by United Nations Secretary-General (UNSG) Antonio Guterres. Its third round concluded in Doha on July 1. The demand for the formation of an inclusive government, a non-starter to begin with, has been abandoned. The focus is now on conditions set out in (ii) and (iii). There is global unanimity on (ii) because it impacts all countries. It is here that the Taliban are playing a skilful game. They are seeking to counter terrorist groups that are oriented against countries showing sympathy to their regime, including Russia and China, but are encouraging those they need to use as a card. In the latter category is the Tehreek-e-Taliban-e-Pakistan (TTP). The Taliban are also against the Islamic State of Khorasan Province (ISKP), the Afghan branch of ISIS. ISKP's presence is a thorn in the Taliban side but is not a threat to their structure.

On gender issues, various countries are making the right noises but the Taliban are aware that all countries do not place the same degree of emphasis on them. Certainly, it is not a priority for China and

Russia. On its part the Taliban's theological position on them has not changed but its application on the ground is not as harsh as it was in the 1990s. Women wearing the hijab move around in Kabul, and, as of now, male doctors are permitted to attend to female patients if their families permit. A recent development is the placement of mullahs in major hospitals; doctors and staff are expected to attend The Taliban's regional and foreign engagement has their short daily discourses. Discriminatory practices against women from the middle level in



education is being practiced. United Nations reports on the Afghan situation persistently note the continuing impoverishment of the people. In his report to the UN Security Council in June this year - the latest on conditions in Afghanistan — the UNSG noted "Nine out of 10 households were struggling to feed themselves adequately..." Lowlevel economic activity is taking place, but the situation continues to be dire. Consequently, those Afghans who can leave the country are doing so even as Pakistan has forced the return of a large number of refugees living for decades there. Opium cultivation, a source of income for Afghan farmers in some provinces, has been banned and its production has fallen but not eliminated. Ephedrine is also produced to prepare methamphetamine, which is smuggled out of the country through Iran to the wider world. Tensions within the Taliban interim government continue. The principal fault line is between the Haqqanis, whose power base is in the east, headquartered in Khost province, and the traditional Pashtun leadership based in Kandahar. By now, the latter, under the supreme leader, Mullah

Haibatullah Akhundzada, has been able to establish its sway. The Kandahari leaders are more hardline and less exposed to the world. They can be expected to resist any dilution of their interpretation of the Sharia in running the administration, though on the ground, practical ways are found by the people in major cities to deal with their decrees.

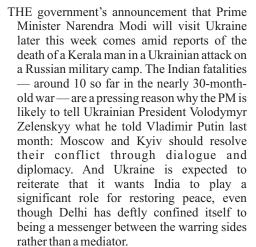
continued, though at a low level. Their relations with neighbours are stable, with the exception of

Pakistan. The Pakistani establishment clearly feels that the Taliban leadership has shown scant concern for its core interests because it has not tightened the screws on the TTP. The Taliban are unlikely to change their position on the TTP, at least in the near future. Consequently, bilateral Pakistan-Taliban ties will continue to be rockyIndia should shed its inhibitions in opening full ties with the Taliban. The term 'full ties' does not imply diplomatic recognition. India's interests demand that China should not be allowed to gain primacy in Afghanistan. The Taliban have been urging India to enhance its interaction with them. Indeed, India has taken some 'practical'

steps. It should now openly clothe them formally. This could begin with calling the Technical Team what it actually is — the Indian embassy — and its head should be called a charge d'affaires. Doing so would not mean a move towards diplomatic recognition of the Taliban but accepting the reality of the Afghan situation. Also, India has already given humanitarian assistance to the Talibancontrolled Afghanistan. It should now resume project assistance. This can be done keeping the security of personnel, if they have to be sent to Afghanistan, in mind. The training of Afghan professionals should be resumed. The most important step India has to take relates to resuming the grant of visas to Afghans who wish to visit India, for instance, for medical and educational purposes. Naturally, security concerns would have to be addressed while doing so. The stoppage of visa issuance has deeply hurt Indian interests. The policy needs an immediate review. It was inexplicable to begin with and a foreign policy-oriented clarification on why it was undertaken needs to be

### PM's Ukraine visit

Tightrope walk for Modi under Russian gaze



In an assertion of its strategic autonomy, India has made no effort to conceal its pro-Russia leanings, but at the same time it has continued to engage with Ukraine.



Zelenskyy had not minced words when he described PM Modi's July visit to Russia — and a hug with Putin — as a 'huge disappointment and a devastating blow to peace

efforts'. Apparently, it was this criticism that prompted the PM to do a balancing act — he lamented the loss of innocent lives in a missile strike on a children's hospital in Kyiv, a response that wasn't music to Moscow's ears.

Even as Russia will closely observe the PM's upcoming meeting with Zelenskyy, the hard fact is that the discharge of Indians from the Russian military remains a work in progress. PM Modi had reportedly got an assurance from Putin in this regard last month, but not much has happened on the ground. External Affairs Minister S Jaishankar told the Lok Sabha on August 9 that of the 91 Indian nationals recruited in the Russian army, 69 were awaiting discharge. Exerting pressure on Moscow to ensure their expeditious

return should be a top priority, but India also has to tread warily so as not to antagonise its all-weather friend.

## Regime change can impact Bangladesh's defence ties with India

Faced with a crisis of legitimacy and the backsliding of democracy, Hasina's port of call was New Delhi.

IN a conversation with me after Pakistan's surrender at Bogra in the 1971 Liberation War, Maj Gen Nazir Hussain Shah, General Officer Commanding of the 16 Pakistan Infantry Division, had said prophetically: "Bangladesh will be a disturbed desh." Nobel laureate Muhammad Yunus, head of the 16member non-political interim advisory council that has two student leaders, has described Sheikh Hasina's exit as 'the second Liberation'. It has also been referred to as the 'third revolution', a redux of the 2006 Nepalese revolution and 'Arab Spring on steroids', and likened to the 2022 Aragalaya (uprising) in Sri Lanka. There are conspiracy theories attached to last month's Anti-Discrimination Students Movement. A warning by Bangladeshi filmmaker and philanthropist Chanchal Chowdhury about an impending US-led coup has gone viral on social media. The immediate fallout from Hasina's eviction will be for India, which has historically put all its eggs in the Awami League basket. Faced with a crisis of legitimacy and the backsliding of democracy, Hasina's port of call was New Delhi, which welcomed her with a bit of nervousness. The mayhem that marked the violence and revenge killings was similar to those witnessed during the regime change in Afghanistan in 2021. The army under Gen Waker-Uz-Zaman, praised by the US, carried out a coup, the fifth in 53 years.

During a lecture tour to the Centre for the Study of Genocide and Justice at the Liberation War Museum in Dhaka last November ahead of the January 2024 parliamentary elections, I failed to read the graffiti (read writing) on the wall: 'Hasina go'. And so did India. My driver told me that if a free and fair election were held, the Opposition Bangladesh Nationalist Party (BNP), led by Begum Khaleda Zia, would sweep the polls. This was echoed by an officer of the

Indian High Commission in Dhaka and several journalists. Still, India backed Hasina to the hilt. The civil-military relations seemed harmonised, with both sides marking their red lines. During several visits to Bangladesh since 1971, one saw the Awami League focus on two areas: the glorification of the legacy of the Liberation War and strengthening India-Bangladesh relations despite the lurking anti-India sentiment. The battle between the two Begums (and the proxy war between their sons Sajeeb Wazed and Tarique Rahman) was clearly manifest in their lovehate approach towards India. During the BNP's rule, the India connect with the Liberation War diminished. And when the Awami League regained power, especially in the last 15 years, emphasis was laid on reviving the cult of Sheikh Mujibur Rahman and the war. Therefore, the image of a student defacing Mujib's statue in Dhaka and the public hangings of Awami League workers illustrate the vicious cycle. India's Eastern Command, which oversaw the 1971 war, commemorates the Liberation War with Mukti Jodhas from Bangladesh every year in December. And Dhaka reciprocates with warmth through a lavish felicitation of Indian veterans of the conflict. That ritual was sanctified by the construction of a war memorial for India's 1,670-odd martyrs (similar to the one for the Indian Peace-Keeping Force in Colombo) at Ashuganj. It was to be inaugurated later this year by PM Narendra Modi and Hasina. Scholarships, medical schemes and myriad welfare facilities have been introduced for the dependants of Mukti Bahini personnel, and free medical treatment has been made available for members of the Bangladeshi armed forces.

The rise in military-to-military relations is a stellar achievement, given that the Bangladeshi military used to wargame scenarios with India as an enemy until recently. Almost everyone, other than the military and the beneficiary families, seems to have forgotten about the Liberation War. Enhanced defence cooperation between the two nations is marked by the \$500-million line of credit extended by India. There are tri-service interactions with institutionalised staff and training-level dialogue. Visits by military leaders are common. Gen Zaman was to visit India later this month. Last year, personnel of the Bangladesh Air Force had visited



Dimapur, where it was christened in 1971. Bangladesh was also supposed to take part in the Tarang Shakti multi-national air exercise with the Indian Air Force this month. Joint exercises and sea patrols are rising. Service chiefs presiding over passing-out parades in each other's military academies is a regular feature. Non-kinetic military equipment has been sold, as the armed forces division responsible for modernising Bangladesh's military

has categorised defence acquisitions under A, B and C groups. While India still falls in the C category, China—the mainstay of military hardware—comes under A. How much of the enhanced defence ties will survive the regime change is crucial for India.

Anti-India sentiment, a familiar refrain in the neighbourhood, has become a metaphor for New Delhi's unflinching support to Hasina. Some Indian leaders have repeatedly called for the implementation of the Citizenship Amendment

Act/National Register of Citizens and described Bangladeshis as 'insects' and 'infiltrators'.

The China Media Group, along with Pakistan's ISI, is encouraging the banned Jamaat-e-Islami and its student wing, Islami Chhatra Shibir, to fuel anti-India sentiments.Bangladesh shares its border with five Indian states. The turmoil along the India-Myanmar border, coupled with simmering unrest in Manipur, can wreck India's Act East and Neighbourhood First policies if an unfriendly regime returns to Dhaka. The threat from China to the Siliguri corridor will also reappear. The BIMSTEC (Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) will also be destabilised as

a regional grouping. Consequently, the role of the Army will be the key to maintaining India's strategic interests and ensuring stable and friendly relations with Bangladesh, given the love and labour that have gone into building them. India must send the right feelers to the keepers of the keys in Dhaka. A great deal is at stake for New Delhi, which took its eyes off the neighbourhood.

## Thursday, 22 August 2024

### Sensex, Nifty trade flat after 4-session rally; Divi's Lab gains over 3%

New Delhi. Benchmark stock market indices were trading flat in early trade on Wednesday as investors held back after a four-session rally. The S&P BSE Sensex was up 54.93 points at 80,857.79 at 10:33 am, while the NSE Nifty50 rose 35.60 points to trade at 24,734.45.Most of the other broader market indices were trading in positive territory as volatility dipped slightly. However, heavyweight stocks declined marginally, leading to a lack of momentum on Dalal Street. The top five gainers on the Nifty50 were Divi's Laboratories, Adani Enterprises, Dr Reddy's, Bajaj

On the other hand, the top losers were Ultratech Cement, ICICI Bank, Tata Steel, LTIM and HDFC Bank.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "An important trend in the market now is the shift in market preferences from overvalued segments to fairly valued segments.'

Attractively valued financials are witnessing value buying and overvalued segments like railways and defence- related stocks are witnessing profit booking. This is a healthy trend and is likely to sustain for some more time. Prices cannot soar continuously. Reversion to mean is a normal trend," he added.

He noted that the trend of FII selling and DII buying continues, but added that the fall in the dollar index to 101.39 "has the potential to arrest the trend of FII outflows"."But big FII investment will happen only if Indian valuations correct, which appears unlikely in the present context of sustained domestic inflows. Despite high valuations the undertone of the market continues to be bullish," Vijayakumar concluded

### Gold, silver price: Precious metals record hike on MCX

New Delhi. Both gold and silver prices recorded a hike on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Wednesday, August 21, 2024. Gold futures, maturing on October 4, 2024, stood at Rs 71,960 per 10 grams on the MCX, after recording a jump of Rs 183 or 0.25 per cent. The previous close was recorded at Rs 71,777.Meanwhile, silver futures, maturing on September 5, 2024, witnessed a marginal hike of Rs 141 or 0.17 per cent and were retailing at Rs 84,903 per kg on the MCX against the previous close of Rs

GOLD, SILVER PRICES IN MAJOR CITIES

The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious

GOLD, SILVER PRICES IN INTERNATIONAL MARKET

Gold prices were trading below record high levels on Wednesday after a rally fuelled by Western fund inflows and U.S. rate-cut optimism, as investors braced for minutes of the Federal Reserve's latest meeting for clarity on the depth of cuts, news agency Reuters reported. According to the latest metal report, spot gold rose 0.1 per cent to \$2,517.08 per ounce by 0427 GMT, while, U.S. gold futures gained 0.2 per cent to \$2,554.90.

### Amid volatility, large, mid-cap funds to see more inflows

**NEW DELHI**. Amid growing volatility in the domestic equity market, large and mid-cap funds are likely to be a big draw among investors in the coming days, anticipates ICRA Analytics. It stated that the possibility of having a diversified portfolio coupled with good returns is attracting investors to such funds.

The global equity market, including India, is witnessing heightened volatility at peak levels following escalating geopolitical risks and global uncertainty. There are concerns about the valuation of equities listed in India, especially in the mid and small-cap segments.

Large and mid-cap funds have seen over five-fold growth



in assets under management over last five years at Rs 2.57 lakh crore in July 2024, as against Rs 0.50 lakh crore in July 2019. The compound annualised returns on large and mid-cap funds are 44.07% for 1-year, 21.85% for 3-years, 23.67% for 5-years and 16.40% for 7-year period."Escalating geopolitical risks, worries over heightened valuations and uncertainty as to how the global interest rate cycle pans out in the coming months are some of the factors that may result in market volatility," said Ashwini Kumar, Senior Vice-President and head market data, ICRA Analytics. Large and midcap funds may be a good investment choice if these funds have exposure to companies that have comparatively strong balance sheets, established businesses and stable earnings growth which can offer the much-needed stability."Net flows into large and mid-cap funds have increased by 276% at Rs 2,622.29 crore in July 2024, as against Rs 697.13 crore in July

## Congress to hold 20 press conferences on Aug 21 to highlight need for JPC probe into allegations against Adani, Sebi

New Delhi. The Congress on Tuesday informed that it will hold 20 press conferences across the country to highlight the need for a joint parliamentary committee probe into the findings of the Hindenburg Research, which in its recent report raised serious allegations against the market regulator SEBI chairperson Madhabi Buch.

In a post on X, Congress general secretary in-charge communications Jairam Ramesh said that these issues have "widespread ramifications for the economy.""Tomorrow, the Indian National Congress will conduct 20 press conferences across the country to highlight the need for a JPC into the Modani Maha Ghotala that has widespread ramifications for the economy, and for crores of small investors - for whom the integrity of capital market regulators is essential," he said. The Congress had earlier said that the demand for a JPC probe goes beyond the findings of the Hindenburg report as it is "just the tip of the iceberg.""The demand for a Joint Parliamentary



Committee (JPC) investigation into the Adani Mega Scam goes far beyond the revelations made by Hindenburg Research's reports. Irregularities and wrongdoings relating to the Adani Group span every dimension of the political economy, as documented in our 100question series HAHK (Hum Adani Ke Ĥain Kaun)," Jairam Ramesh had said.

The party has been pushing for a transparent investigation into the matter since the release of the Hindenburg report in January 2023, which accused the Adani Group of stock manipulation and accounting fraud.In a recently released

report, Hindenburg Research alleged regulator entrusted with investigation into the matter, held hidden stakes in the 'obscure' offshore funds used by Vinod Adani, brother of billionaire Gautam Adani. The report alleged that this is the reason why Sebi was not keen to

that the chairperson of SEBI, the market Both Madhabi Buch and Adani have refuted the allegations with the ruling party terming it as a "conspiracy."

The Congress has however demanded the resignation of the Sebi chief and announced a nationwide protest on

### Rising aspirations behind deposit shift, says RBI governor Shaktikanta Das

MUMBAI.RBI governor Shaktikanta Das has said that it is natural for young Indians to explore other markets for their savings, given rising aspirations fueled by education and exposure to the internet. However, banks need to be prepared by managing liquidity and balancing credit growth with deposit growth. In an interview with NDTV, Das said that credit growth and disbursement have sped up, thanks to technology, but deposit collection is still mostly physical. "That's why, in the previous policy, I urged banks to create new deposit products and services and to leverage their extensive branch networks," said Das."If youngsters are turning to stock markets, insurance, and mutual funds, it is a good thing. What we have done is to provide advance caution to banks; there is no problem now, but looking ahead, we want to ensure they are prepared," said Das.

# Starbucks' new CEO to commute by jet daily, won't relocate to Seattle HQ

Niccol, will be making an exceptional daily commute to his new role. Niccol, who currently resides in California, will travel 1,600 kilometres each day to Starbucks' headquarters in Seattle.

According to his employment agreement, Niccol will use a corporate jet for this daily journey. Despite the distance, he is expected to work from Starbucks' Seattle office at least three days a week, in line with the company's hybrid work policy, which has been in effect since 2023.

Niccol, aged 50, will receive an annual base salary of \$1.6 million. Additionally, he is eligible for a cash bonus ranging from \$3.6 million to \$7.2 million, depending on his performance. He will also have the opportunity to earn up to \$23 million in annual equity awards. This commuting arrangement is not new for Niccol. When he was CEO of Chipotle in 2018, he arranged a similar deal. Chipotle,



which was headquartered in Colorado, moved its headquarters to California just three months after Niccol took on the role. A Starbucks spokesperson said, "Brian's primary office and a majority of his time will be spent in our Seattle Support Center or out visiting partners and customers in our stores, roasteries, roasting facilities and offices around the world. His schedule will exceed the hybrid work guidelines and workplace expectations we have for all partners."Such flexible work terms are often negotiated by high-ranking executives who have significant Hillary Super, the CEO of Rihanna's lingerie brand Fenty x Savage, was granted a similar arrangement, allowing her to work from New York City instead of Victoria's Secret's headquarters near Columbus, Ohio.However, not all CEOs have such leeway. Amazon's Andy Jassy and JPMorgan

Chase's Jamie Dimon are actively advocating for a return to in-office work. The reasons behind Niccol's unique arrangement are linked to Starbucks' recent performance. Sales in the company's largest markets, the US and China, have declined this year under the leadership of current CEO Laxman Narasimhan. Niccol's appointment comes with high expectations, given his impressive track record of revitalising companies. Under his leadership at Chipotle, the company's stock reportedly increased

### Markets Decline In Early Trade On Weak Trends From Asian Peers, Foreign **Fund Outflows**

negotiating power.For instance, Mumbai. Equity benchmark indices Sensex and Nifty declined in early trade on Wednesday amid continuous foreign fund outflows, weak trends from Asian markets and selling in banking stocks.The 30-share BSE Sensex declined 138.58 points or 0.17 per cent to 80,664.28 in early trade. The NSE Nifty snapped its four-day rally and slipped 15.20 points to 24,683.65. From the 30 Sensex firms, UltraTech Cement, Kotak Mahindra Bank, Tech Mahindra, ICICI Bank, HDFC Bank, IndusInd Bank, Power Grid and Axis Bank were the laggards. Larsen & Toubro, Bharti Airtel, Nestle India, Hindustan Unilever, Bajaj Finserv and Adani Ports were among the gainers. In Asian markets, Tokyo, Shanghai, Hong Kong and Seoul were trading lower on Wednesday. The US markets settled lower on Tuesday. Foreign Institutional Investors (FIIs) again turned sellers on Tuesday as they offloaded equities worth Rs 1,457.96 crore, according to exchange data.Domestic Institutional Investors



## Reliance-Disney merger: CCI raises concern over cricket broadcast rights

NEW DELHI. The Competition Commission of India (CCI) is said to have raised preliminary concerns that the \$8.5 billion merger of Reliance and Walt Disney media assets might harm competition due to their power over cricket broadcast rights. As per a report, the CCI has privately told billionaire Mukesh Ambani's Reliance and Disney its view and asked the companies to explain why an investigation shouldn't be ordered.

The report stated that rights worth billions of dollars for the broadcast of cricket would be vested with the merged entity, which could potentially peril fair pricing power and control over advertisers. The CCI earlier privately asked Reliance and Disney about 100 questions related to the merger. The companies reportedly told the antitrust body they are willing to



sell about 10 television channels to assuage concerns about market power to get an early approval.

CCI is reported to have given a 30-day **Billion dollar rights** timeframe to the two companies to respond and explain their position.

Reliance Industries Limited (RIL) and US-based entertainment giant Walt Disney in February had announced forming a joint venture (JV) that will combine the businesses of Viacom18 and Star India to create an \$8.5 billion

broadcasting as well as streaming platform will be among the largest in the country. The transaction, which will create an entity merged with 120 TV channels and two streaming platforms, is expected to be completed in the last quarter of CY24 or the first quarter of CY25. Antitrust experts had earlier warned that the merger process would attract intense scrutiny due to its expected size and reach in the industry.

Report stated that the rights worth billions of dollars for the broadcast of cricket would be vested with the

merged entity May impact fair pricing power

Exclusive cricket broadcasting rights could peril fair pricing power and control over advertisers.

on Tuesday. "The trend of FII selling and DII buying continues. But the fall in the dollar index has the potential to arrest the trend of FII outflows.But big FII investment will happen only if Indian valuations correct, which appears unlikely in the present context of sustained domestic inflows, V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, said. Despite high valuations the undertone of the market continues to be bullish, Vijayakumar added. Global oil benchmark Brent crude declined 0.11 per cent to USD 77.09 a barrel. The 30-share BSE Sensex rebounded 378.18 points or 0.47 per cent to settle at 80,802.86. Rising for the fourth consecutive session, the NSE Nifty surged 126.20 points or 0.51 per cent to 24,698.85.

# Single-digit pay hike in IT new reality

### Current salary spends and increments reflect sluggish performance, says a staffing company

BENGALURU. Last week when Nasdaqlisted Cognizant rolled out an increment to employees after a four-month delay, it had to face criticism on social media as wage hike starting as low as 1%.

Soon, the company in a statement said the merit increases for this cycle are tied to both individual performance and macro industry dynamics. As per sources, employees with the highest rating received only a 4.5% salary hike. Tata Consultancy Services (TCS) rolled out double-digit wage hikes for high performers and an average 4.5% to 7% wage hike for the rest of the emloyees, with effect from April 1.Infosys' last wage hike was in November 2023. Its CFO Jayesh Sanghrajka said during the Q1 earnings conference that they take multiple factors into account (inflation, peer practice) in case of a wage hike."At

this point we are evaluating all of that..we have improved our variable pay this year versus the last quarter and last year," he said. These companies are announcing singledigit hikes due to various factors including inflation. "Tech sector's compensation spend and increments are linked to the revenue performance and outlook for revenue growth. The current compensation spends and increments reflect sluggish performance on these two parameters," said Krishna Gautam, business head, Direct Hire - IT,

Xpheno, a specialist staffing company. As per Xpheno, the collective of top 7 IT services firms have seen 3.4% annual revenue growth in the quarter ending June 2024 as against June 2023. The collective has accordingly controlled compensation costs with 2.8% annual growth for the same period.

The compensation cost controls have been driven through headcount reductions and moderate hikes for performance and retention. The 12-month period ending June 2023 saw a 12.4% revenue growth with a compensation cost growth of



14.2%.Top 7 IT firms saw revenue growth of 3.4% in Q1According to Xpheno, the collective of top 7 IT services firms have seen 3.4% annual revenue growth in the quarter ending June 2024 as against June 2023. The collective has accordingly controlled compensation costs with 2.8% annual growth for the same periodAnd the 12month ending June 2022 saw a 19.2% revenue growth driven on a compensation cost growth peak of 24.3%. "Having incurred high spend manpower absorptions during the buoyancy of 2021 and early 2022, the tech sector is now operating on tighter cost controls and austerity measures to preserve margins in uncertain market conditions," Gautam said. The restrained salary hikes of 2% to 4% in IT companies this fiscal year are primarily driven by global economic headwinds and tightening profit margins, said Ramesh Alluri Reddy, CEO, TeamLease Degree Apprenticeship. While the IT sector had been offering robust increments during the pandemic to retain top talent, the current economic landscape is more challenging. "Global uncertainties and potential slowdowns in key markets like the US and Europe have led to cautious client spending, directly affecting the revenue growth of Indian IT firms. Additionally, rising inflation and the need to invest in next-generation technologies are exerting pressure on profit margins, prompting companies to adopt a conservative stance on salary increments," he explained. Moreover, IT organisations are increasingly prioritising operational efficiency and are channeling significant raises towards employees in strategic roles or those possessing niche skills that are critical for business transformation.

# Badlapur: 12-hour delay in sex assault FIR but protesters arrested in 24 hours

The sexual abuse of two girls at a Badlapur school in Maharashtra has triggered outrage over allegations that the parents were made to wait for 12 hours at the police station.

New Delhi: Over 70 people have been arrested and five FIRs have been filed against 500 in just 24 hours over the protests in Maharashtra's Badlapur against the sexual abuse of two kindergarten students. The alacrity of the police in arresting the protesters pales in comparison to the action taken by the cops in registering the FIR, which apparently took 12 hours. The opposition has gone hammer and tongs in attacking the Mahayuti-led government over the insensitivity of the police. The opposition Maha Vikas Aghadi, which comprises the Congress, NCP(SP) and Shiv Sena (UBT), have alleged that the parents of the girls were made to wait for 12 hours at Badlapur police station before taking their complaints. The medical BADLAPUR CASE: OUTRAGE OVER examination of the girls was also reportedly delayed by 10 hours, prompting The two girls, aged three and four, were

What has added to the outrage is the fact that the mother of one of the two girls was made to stay at the police station for over 10 hours despite being two-months pregnant, a report in The Indian Express said.

While the Maharashtra government has suspended three police officials for alleged dereliction of duty and handed the probe to a Special Investigation Team (SIT), it has done little to quell the outrage.

The school management has suspended the principal, a class teacher and a female attendant.

### **DELAY IN FILING FIR**

fears of a cover-up by the administration. sexually abused at a school in



Maharashtra's Badlapur by a cleaning staffer between August 12-13. The accused, Akshay Shinde, was arrested by the police on August 17.

As per the FIR, police were informed about the incident on August 16. The FIR was allegedly filed 12 hours later -- around 9

pm on August 16.The delay in filing the FIR has led to an outrage as in such cases circumstantial and medical evidence are crucial. The National Human Rights Commission (NHRC) has sought a report from Maharashtra over the "12-hour delay" in registering the FIR after the parents lodged a complaint. The Maharashtra State Commission for Protection of Child Rights also said the school preferred to cover up the crime instead of helping the parents file a

police complaint, PTI reported.

On Tuesday, thousands of people entered the Badlapur railway station and stopped local trains as they protested against the incident. Protesters also ransacked the school where two girls were sexually abused. The police, who resorted to lathicharge to disperse the protesters, were pelted with stones. A dozen policemen, including senior officers, were injured. Internet services were also briefly snapped in Badlapur.

Questioning the delay in registering the FIR, NCP (Sharadchandra Pawar) MP Supriya Sule sought to know why an inquiry was not launched to probe the police's inaction.

Trinamool Congress MP Mahua Moitra, while slamming the government, drew a comparison between the Maharashtra Police's reaction to the case and how the Kolkata Police swiftly arrested the accused in one day in the rape and murder case of a trainee doctor.

"RG Kar case had videographed autopsy and Kolkata Police arrested the accused within hours. In Maharashtra, police refused to file an FIR for days. This is the real nondemocratic alliance," Mahua Moitra

2019 landslide survivors

come to help Wayanad

victims, bring life's lessons

On August 7, 2019, Navuriparambath Sumod left for

Bangalore, leaving behind his parents in their

village in Kerala. A day later, the Muthappan Hill

landslide in Kavalappara would kill both his

parents, and change his life forever. Half a decade

later, another landslide would take place in Kerala.

This time, Sumod would return to be part of the

## ED officer, under CBI scanner in corruption case, dies by suicide

New Delhi: An Enforcement Directorate officer, who was under the scanner of the agency and the CBI in an alleged corruption case, has died by suicide. The body of Alok Kumar Pankaj was found on a railway track in Sahibabad near Delhi on Tuesday. Alok Kumar, a resident of Ghaziabad, was on deputation with the ED in New Delhi. Earlier, he had worked with the Income Tax department. Recently, he was questioned twice by the CBI in an alleged corruption case but was let off due to lack of evidence.lok Kumar Pankaj's name had cropped up in a bribery case after an assistant director of the ED, Sandeep Singh, was arrested by the CBI. The CBI received a complaint from a person that Singh had reportedly demanded Rs 50 lakh for not arresting his son. The agency then laid a trap and Singh was caught red-handed accepting a bribe of Rs 20 lakh in Delhi.

Singh reportedly also took bribes from a Mumbai jeweller whose store was raided by the Enforcement Directorate earlier. In the same case, Alok Kumar Pankaj was named as an accused along with Sandeep Singh in the FIR. Sandeep Singh was reportedly suspended following the case. The police have shifted the ED officer's body to a mortuary for post-mortem and are probing the case to ascertain the reason behind the

### Malaysia PM hopes India 'plays its part' to deal with minorities, religious issues

New Delhi: Malaysian Prime Minister Anwar Ibrahim, on a state visit to India, said on Tuesday that India had to grapple with "some serious issues" affecting minorities or religious sentiments. He expressed hope that New Delhi would continue to play its rightful role in dealing with the issues faced by minorities."I will not deny the fact that you also have to grapple with some serious issues affecting minorities or religious sentiments. But our hope is that India continues to play its rightful role because I mentioned to Prime Minister (Narendra) Modi, that these were the years when Nehru and Zhou Enlai and Sukarno and Nyerere were there standing up for the Global South against colonialism and imperialism and to struggle to ensure that we recognise what humanity is about, what freedom is all about, and what dignity of men and women," he said at an interactive session at the ICWA in Delhi.

Ibrahim's remarks come at a time when India-Malaysia bilateral ties are slowly coming back on track after former Prime Minister Mahathir Mohamed criticised India over its move to scrap Article 370 from Jammu and Kashmir that granted special status and the passing of the Citizenship Amendment Act. New Delhi lodged strong protests and imposed restrictions on Malaysian oil imports.

However, since Ibrahim took charge in 2022, both countries settled trade in their own rupee and ringgit currencies in April last year. India's Malaysian palm oil imports have increased as well. Zakir Naik, a controversial Islamic preacher, who fled India in 2016, however, continues to be a major irritant in bilateral ties. He is currently in Malaysia after getting asylum there in 2018. Naik is wanted in India for serious charges related to terrorism after his name cropped up in connection with a ghastly terror attack at Holey Artisan Bakery in Dhaka in July 2016. During his address, Ibrahim indicated that his government may consider India's request to extradite Naik if New Delhi provided evidence against him.

He also said that the issue was not raised by the Indian side during his talks with PM Modi and asserted that it should not deter the two countries from enhancing bilateral relations."Firstly, it was not raised by the (Indian side). PM (Narendra Modi) did raise it much earlier, some years back. But the issue is I am not talking about one person, I am talking about the sentiment of extremism, of a compelling case and evidence that suggest the atrocities committed by an individual or group or faction or parties," Ibrahim

## How RG Kar Hospital, at centre of storm, started from rented house 138 years ago

New Delhi: Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital, steeped in the rich history of West Bengal, has grabbed nationwide attention after the brutal rape and murder of a trainee doctor in its premises. A portion of the hospital, the first non-government medical college in Asia, was also vandalised on the eve of Independence Day as doctors and women protested against the gruesome incident. It is probably the first time that the hospital, established in 1886 by Dr Radha Gobinda Kar (RG Kar) and which has been a cornerstone of Kolkata's healthcare system, has been hit by controversy in its 138-year-old history.Dr Řadha Gobinda Kar or RG Kar was born in 1852 in colonial Bengal. His more famous peer, Nil Ratan Sircar, was born nine years later, in 1961. He established the Nil Ratan Sircar (NRS) Medical College, which is located in Sealdah in the heart of Kolkata.Both RG Kar and NRS hospitals are the top state governmentrun institutions in Bengal, catering to thousands of patients every day.RG

Kar remained as the secretary of the medical college till his death in 1918. The West Bengal government took over the institution on May 12, 1958. The college offers post-doctorate, PG diploma, fellowship, and



### undergraduate programs. WHO WAS DR RADHA GOBINDA KAR?

Radha Govind Kar, a social reformer, had a keen interest in medicine from a very young age. He completed his studies at Bengal Medical College, which was the oldest medical college in Asia at that time. It later came to be known as Calcutta Medical College. He then went to England for further

to India in 1886 with a medical postgraduate degree. After returning to India, Radha Govind Kar realised that Calcutta did not have an adequate number of hospitals as per the population. At that time, Calcutta was under the grip of several infectious diseases like Cholera and plague. This gave him the idea of establishing a new medical college. Govind Kar then started a medical college, the Calcutta School of Medicine, from a rented house in Kolkata's Baithakkhana Bazar Road in 1886. It provided a three-year medical course and studies were conducted in Bengali.

studies after graduation and returned

### HOW DID RG KAR HOSPITAL **GET ITS NAME?**

The college became popular quickly and soon the rented area was found to be too small to cater to the students. The college was then shifted to another building in Bowbazar. However, since there was no hospital nearby, students had to go to Mayo Hospital in Howrah

### rescue and salvage team to help those suffering in the Wayanad landslide and the disaster. Another disaster survivor, Sumesh, who also lost his parents to the 2019 disaster, is in Wayanad to help

the victims. There are 24 such families, victims of the 2019 Kavalappara disaster, that have come together to help the survivors of the Wayanad landslides in Kerala.

In the Kavalappara disaster on August 8, 2019, in one night a whole village was destroyed. Fifty-nine people were killed and 11 still remain missing. One of the first to be found was the body of a 10-yearold boy. More rescue operations followed.

### LIFE LESSONS FROM 2019 KAVALAPPARA **SURVIVORS**

When the Wayanad disaster struck Kerala this year, the memories and grief of losing a loved one was still afresh for survivors of Kavalappara in 2019. Then, they began to see the rescuing process being carried out. They saw how people were being saved. What could be done better? In 2019, they looked with desperate eyes to see any signs of their loved ones. They have now survived the worst. This time, they knew how to be of help in the Wayanad disaster. Since the morning of the disaster, people have been seeing dead bodies floating in the river and a search has been going on the Chaliyar river. Government agencies, residents, and youth organisations have all come together along with the Kavalappara survivors to help the disaster-hit people of Wayanad. The residents of Mundakkai and Chooralmala in Wayanad have lost their loved ones, their life's savings, and an entire village. That they are survivors is seen as the area has seen over 400 deaths. All have lost their lives, a loved one and a village. Some have lost as many as 16 family members. The search is still going on. Members of 24 families who survived the Kavalappara disaster are on their side. The extent of the Wayanad disaster can be understood by the Chaliyar River in Malappuram district. Dead bodies have reached the Pothukallu and Munderi areas through the Chaliyar, which flows across the forest for about

## 72 Employers Intend To Hire Freshers In 2024: Report

**New Delhi:** A new report reveals that 72 per cent of employers across India intend to hire freshers in the latter half of 2024. This upward trend in

hiring intent is based on comprehensive survey of over 603 companies nationwide, reflecting a 4 per cent increase from the previous half-year and a notable 7 per cent rise compared to the same period in 2023, a report by TeamLease EdTech said. "The increase in hiring intent for freshers is an encouraging sign. It reflects growing confidence among employers and presents valuable opportunities for fresh talent entering the workforce," Shantanu Rooj, Founder and CEO of TeamLease EdTech, said. India's unemployment

rate has declined to 3.1 per cent as per

the latest National Statistical Office

(NSO) data, though challenges persist for graduates and freshers seeking employment.



The report says that industries such as ecommerce, tech startups, engineering, infrastructure, and retail are leading the charge in fresher hiring. Bengaluru tops the list, with 74 per cent of employers indicating plans to bring on new graduates, followed by Mumbai at 60 per cent and Chennai at 54 per cent.In terms of specific roles, the demand for Full Stack Developers, SEO Executives, Digital Sales

Associates, and UI/UX Designers remains high. According to the report, employers are increasingly seeking candidates with specialized skills in cybersecurity, cloud computing, data analytics, and search engine optimization."The need of the hour is to constantly learn, not just for freshers but also for managers and employees as workplaces undergo transformation," Mr Rooj said. To

address the skills gap, 70 per cent of employers surveyed recommended enhancing academic curricula with experiential learning, while 62 per cent advocated for stronger partnerships between industry and

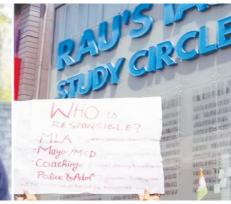
# Court dismisses driver's plea on preserving Delhi coaching centre flooding video

A Delhi court has dismissed a petition by the SUV driver arrested in connection with the deaths of three students due to flooding at a coaching centre's basement. The plea sought directions to preserve the CCTV footage of the incident site.

New Delhi: A Delhi court on Wednesday disposed of the petition of SUV driver Manoj Kathuria seeking directions to preserve the CCTV footage of the site of the flooded basement of a coaching centre in the city's Old Rajinder Nagar area. The incident killed three students.



During the hearing, the CBI informed the court that it had preserved the digital video recorder (DVR) of Rau's IAS Study Circle and the CCTV footage of Chahal Academy located in front of Rau's coaching centre. The court also gave a week's time to the CBI to file its report on the petition demanding the release of the SUV.Kathuria is accused of driving his vehicle through a flooded



road in front of Rau's coaching centre, causing the water to swell and breach the gates of the building. The sudden flooding of the institute led to the death of three students on July 27. The three civil service aspirants -- Shreya Yadav (25) from Uttar Pradesh, Tanya Soni (25) from Telangana, and Nevin Delvin (24) from Kerala -- died when the basement of their coaching centre

flooded amid heavy rain. Kathuria was arrested on the same day. The incident has stirred massive uproar, with people questioning the institute's flouting of norms and the authorities' failure to ensure proper enforcement of laws. Last month, a Delhi court rejected the bail plea of Kathuria, who is also a businessman by profession. He has filed a second bail plea in connection with the case. In his bail plea, the SUV driver said he was "innocent" and that his involvement in the incident was

"completely hypothetical". "He (Kathuria) is innocent and is not associated with the said offence in any manner whatsoever. All involvement, as speculated by the police authorities, is completely hypothetical, and there is no material to support any allegations. The blame for statewide infrastructural breakdown is being put on a single individual," the bail plea said.

### Ex-cop convicted in George Floyd killing moved to Texas prison

Washington. Derek Chauvin has been transferred to a prison in Texas, the US Federal Bureau of Prisons said on Tuesday, nine months after the former Minneapolis police officer convicted in the murder of George Floyd survived a prison stabbing in

### **KEY QUOTE**

"We can confirm Derek Michael Chauvin was transferred to the Federal Correctional Institution (FCI) Big Spring on August 20, 2024," a spokesperson for the Federal Bureau of Prisons said in an emailed statement.

### WHYIT'S IMPORTANT

Chauvin was stabbed about 22 times last year while incarcerated in Tucson, the US Justice Department said in December. Chauvin was seriously injured but survived.

Chauvin is serving 22.5 years for murder after being convicted in April 2021 of killing Floyd, a verdict widely seen as a landmark rebuke of the disproportionate use of police force against Black Americans. He is concurrently serving a 21-year sentence for violating Floyd's civil rights.

### CONTEXT

Floyd's death in 2020 unleashed protests worldwide against police brutality and racism after Chauvin, who is white, knelt on the neck of the handcuffed Black man for more than eight minutes in a murder caught on cellphone video. The suspect in Chauvin's stabbing was charged with attempted murder and other offences.

Thomas Lane, a former Minneapolis officer convicted of aiding and abetting seconddegree manslaughter in the Floyd killing, was released from federal prison in Colorado on Tuesday after serving a sentence of over three years.

### Obama praises Biden at **Democratic Convention:** Proud to call him my President



New Delhi Former US President Barack Obama praised US President Joe Biden for his "decency, resilience, and unshakeable

It was not the US President that the world had witnessed over the years who took centre stage at the Democratic National Convention in Chicago. As opposed to earlier, Joe Biden, with hands on the podium, stood a little straighter and tried to hold back the tears as everyone stood up in a rousing ovation. The moment was overwhelming for anyone to not emotional, and so was former US President Barack Obama, who shared the clip on his official X handle. Calling President Biden by his first name, Obama said, "What I admire most about Joe is his decency, his resilience, and his unshakeable belief in the promise of our country. Over the last four years, those are the values America has needed most."I am proud to call him my president, and I'm so grateful to call him my friend," he added.Biden delivered a fiery speech on the opening night of the Democratic National Convention. Slamming Republican nominee Donald Trump, Biden said he is nothing but a "loser."

'Donald Trump calls America a failing nation," Biden said, and added, "He says we're losing. He's the loser; he's dead wrong."

### World's 'largest solar precinct' approved by Australian government

NEW CASTLE. An ambitious plan to build a massive solar farm in remote northern Australia that would transmit energy by submarine cable to Singapore is a step closer after the Australian government granted environmental approvals for the 30 billion Australian dollar (\$19 billion) project Wednesday. Australian company Sun Cable plans to build a 12,400-hectare solar farm and transport electricity to the northern Australian city of Darwin via an 800-kilometer (497-mile) overhead transmission line, then on to large-scale industrial customers in Singapore through a 4,300kilometer (2,672-mile) submarine cable. The Australia-Asia PowerLink project aims to deliver up to six gigawatts of green electricity each year, which according to Australian Environment Minister Tanya Plibersek will "help turn Australia into a renewable energy

'This massive project is a generation-defining piece of infrastructure," Plibersek said in a written statement on Wednesday. "It will be the largest solar precinct in the world - and heralds Australia as the world leader in green energy."The project was initially backed by Australian mining magnate Andrew Forrest and Atlassian co-founder Mike Cannon-Brookes. The plans were highlighted during a state visit by then Singapore Prime Minister Lee Hsien Loong and Australian Prime Minister Anthony Albanese as part of a 'green economy' agreement in 2022.

superpower" and boost its economy.

# Bangladesh authorities file 9 more cases against Sheikh Hasina, total reaches 31

filed on Tuesday against deposed former prime minister Sheikh Hasina and her aides, taking the number of cases against her to 31, including 26 on charges of murder, four on charges of crimes against humanity and genocide and one for abduction.Supreme Court lawyer Gazi MH Tamim filed a complaint with Bangladesh's International Crimes Tribunal on behalf of Mufti Harun Ijahar Chowdhury, joint secretary general (education and law) of Hefajat-e-Islam, The Daily Star newspaper reported. The complaint accused Hasina and 23 others of committing crimes against humanity and genocide during a Hefajat-e-Islam rally at Motijheel's Shapla Chattar on May 5, 2013. We registered the complaint, and thus the investigation has started from today," Deputy Director (admin) of the investigation agency Ataur Rahman was quoted as saying by the newspaper. This is the fourth complaint filed with the International Crimes Tribunal against the former premier, who resigned and fled to India on August 5 following massive protests against her regime. Of the four, three cases are connected

quota reform movement. Separately, eight more cases were filed against the Awami League chairperson on Tuesday across the country, accusing her of killings committed during the recent protests, the newspaper said. With these cases, Hasina is now facing 31 cases, including 26 on charges of murder, four on charges of crimes against humanity and genocide and one for abduction, it added. Hasina's son Sajeeb Wazed Joy, daughter Saima Wazed Putul and sister Sheikh Rehana were made co-accused in a killing case for the first time, the paper said. The prominent accused in the Hefajate-Islam case include Awami League general secretary and former road transport and bridges minister Obaidul Quader, former minister Rashed Khan Menon, former mayor of Dhaka South City Corporation Sheikh Fazle Noor Taposh, ex-advisor to prime minister Salman F Rahman, former security advisor to the prime minister Tarique Ahmed Siddique, former inspector general of police AKM Shahidul Haque, editor of ABnews24.com Subhash Singha



Roy and former army chief Aziz Ahmed. Besides them, some unnamed ministers, state ministers and lawmakers, unnamed individuals from law enforcement agencies and the then policymakers of some electronic and print media were accused in the case. According to the complaint, the accused, by giving directives and plan, committed crimes against humanity and genocide by killing Hefajat activists in Dhaka and surrounding areas and in different districts, including Chattogram, Narayanganj and Cumilla, between May 5 and 6, 2013, the paper said. The Hasina-led government set up the International Crimes

Tribunal in March 2010 to try those who committed war crimes in 1971. A second ICT was formed later. Five Jamaat-e-Islami and a Bangladesh Nationalist Party (BNP) leader were executed following the verdicts of the two tribunals.BNP's Secretary-General Mirza Fakhrul Islam Alamgir on Tuesday asked India to extradite Hasina to face trial as he accused her of plotting to thwart the country's revolution. Hasina, her son Sajeeb, daughter Saima and sister Rehana and 17 others were sued in a case filed over the killing of a fruit seller in the capital's Jatrabari on August 5. The victim's father, Sultan Miah, filed the case with the court of Dhaka Metropolitan Magistrate Md Shakil Ahmed.Another case was filed against Hasina and 49 others over the death of Md Omar Faruque, a student of Kabi Nazrul Government College, at Laxmibazar of Sutrapur on July 19. Hasina and 24 others were sued for the death of 18-year-old garment worker Sohel Rana in the city's Adabor area on August 5.In Savar, Hasina and 75 Awami League men were sued over the murder of a barber shop worker on

# Mpox not the new Covid-19, says WHO official

Berlin. A World Health Organization (WHO) official stressed on Tuesday that mpox, regardless of whether it is the new or old strain, is not the new Covid, as authorities know how to control its spread."We can and must tackle mpox together," said Hans Kluge, WHO regional director for Europe, in a UN media briefing."So will we choose to put the systems in place to control and eliminate mpox globally? Or we will enter another cycle of panic and neglect? How we respond now and in the years to come will prove a critical test for Europe and the world," he added.

Mpox, a viral infection that causes pusfilled lesions and flu-like symptoms, is usually mild but can kill. The clade 1b variety has caused global concern because it seems to spread more easily though



routine close contact. A case of the variant was confirmed last week in Sweden and linked to a growing outbreak in Africa, the first sign of its spread outside the continent. The WHO declared the recent outbreak of the disease a public health emergency of international concern after the new variant was identified. Kluge said

that the focus on the new clade 1 strain will also help in the fight against the less severe clade 2 variety that has spreading globally since 2022, allowing Europe to improve its response through better health advice and surveillance. About 100 new cases of the clade 2 mpox strain are now being reported in the European region every month, added Kluge.Mpox transmits through close physical contact, including sexual contact, but unlike previous global pandemics such as Covid-19 there is no evidence it spreads easily through the air. Health authorities need to be on alert and flexible in case there are new, more transmissible clades or ones that change their transmission route, but there are no recommendations for people to wear masks, said WHO spokesperson

## Tarik Jasarevic. Hillary Clinton seeks Trump revenge, through Kamala Harris

Party leader Hillary Clinton got the loudest cheers and applause. It was a moment of revenge for Hillary, a former rival of Republican presidential candidate Donald Trump, when the crowd at the Democratic National Convention (DNC) erupted in chants of "lock him up", after her mention of the 34 felony convictions of the former President.The DNC is scheduled from August 19-22 in Chicago. Hillary Clinton ran against Donald Trump in a bitter 2016 election. Monday's speech at the DNC and the loud cheers were her moment of revenge against Trump, who had vilified her throughout the campaign. The means, however, was another woman, a woman

ALL APPLAUSES FOR HILLARY **CLINTON AT DNC** 

of colour, Kamala Harris.

World. It was a night for Vice President Kamala Harris, but veteran Democratic after her speech said it all. The applause lasted for 1.5 minutes and was louder than what Kamala Harris received, according to the New York Post.Hillary Clinton focused her speech on women's struggle for political space, and contrasting Kamala the attorney to Trump, "the criminal". She thanked President Joe Biden for his life-time of service and passing on the baton to Harris. She termed it a "new chapter".

Hillary spoke about Shirley Chisholm's 1972 White House bid and Geraldine Ferraro's 1984 nomination to be the first female vice president of the US. Then she spoke about her 2016 nomination and how 66 million Americans "voted for a future where there are no ceilings on our dreams" Desnite her loss she highlighted how women ran for several top offices since 2016. "I wish my mother

and Kamala's mother could see us. They would say, keep going," NY Post reported Hillary as saying.

### HARRISAND HILLARY VS TRUMP

Hillary Clinton then went on to contrast prosecutor Harris with the "criminal" Trump."As a prosecutor, Kamala locked up murderers and drug traffickers. Donald Trump fell asleep at his own trial. And when he woke up, he made his own kind of history. The first person to run for president with 34 felony convictions", she said. She grinned as the crowd at the DNC erupted into chants of "lock him up", reports Politico. This was a sweet revenge for her as those were the words repurposed from the 2016 campaign of Republicans when Trump gave the rallying cry of "lock her up", demanding she be jailed. However. in a Fox News interview, Trump denied that he called for Hillary's arrest, trial and jailing.

### Ukraine launches drone attacks on Moscow, claim Russian officials

Moscow Ukraine launched a widespread drone attack on Russia on Wednesday, with air defence units destroying three drones some 38 km south of the Kremlin, and 15 over the border Bryansk region, Russian officials said. The three attack drones heading towards Moscow were downed over the city of Podolsk in the Moscow region, Moscow's Mayor Sergei Sobyanin said on the Telegram messaging app. According to preliminary data, there is no damage or casualties at the site where the debris fell," Sobyanin said. There were also no casualties or damage reported in the aftermath of the drone attack on the



border Bryansk region in Russia's southwest, Alexander Bogomaz, the governor of the region wrote on Telegram.Russia's RIA state news agency reported also that two drones were destroyed over the Tula region, which borders the Moscow region to its north. Separately, Vasily Golubev, governor of the Rostov region in Russia's southwest, said that air defence forces destroyed a Ukraine-launched missile over the region, with no injuries reported. It was not clear how many drones and missiles in total Ukraine launched.Reuters could not independently verify the reports. There was no immediate comment from Ukraine. In recent months, Kyiv has stepped up its air attacks on Russian territory, saying its aim is to destroy infrastructure key to Moscow's

## What's behind jailed Imran Khan's bewildering Oxford chancellor bid

Former Pakistan Prime Minister Imran Khan is doing more than just stare at jail walls. He has applied to be the Chancellor of Oxford University. In jail for a year now, Imran Khan's surprise move to run for the elections for the Oxford top post could be a bid to attract global attention while his party holds rallies in Pakistan on the anniversary of his jailing. It could also be a signal to the powerful military of Pakistan that Imran is done with Pakistani politics and is interested in a third career, after cricket and politics.Imran's adviser Syed Zulfi Bukhari revealed that he submitted an application to run in the October election. He has applied at a time when elections and nominations for the position of the Chancellor have become online. The former Pakistani Prime Minister will contest to replace Chris Patten, the former Conservative minister. Patten, the chancellor of Oxford University, announced he was stepping down from the post in

February.Imran's journey in Pakistan's politics started with his promise of "Naya Pakistan" or "new Pakistan". He is now languishing in jail, facing several charges, which his supporters allege are part of a political conspiracy.

### IMRAN KHÂN: THE CHANCELLOR

OF OXFORD UNIVERSITY? It's a ceremonial post but one with the utmost prestige and importance and Imran Khan, being one of the larger or more popular names coming out of Oxford, it would be brilliant to see him as chancellor," Bukhari told AFP. The list will not be made public till October.But an entry into the prestigious British university might also be a going away from Pakistan's politics for Imran Khan.Imran Khan had a playboy lifestyle during his cricket career, regularly becoming the subject of Britain's gossip magazines.He later turned to philanthropy and politics, serving as Pakistan's Prime Minister from 2018 to 2022 as the leader of



the Pakistan Tehreek-e-Insaf (Movement for

Justice). The party has now been banned. He was removed as PM through an armybacked vote of no confidence in Pakistan's parliament and has been in prison for the past one year.Khan has alleged that this is part of a political scheme against him. The Chancellor's post won't be something exceptional for him. Imran has also been the Chancellor of the University of Bradford for eight years, from 2005 to 2014. If he does become the Chancellor, this time of Oxford, will he bid adieu to Pakistan's politics? Or is this a signal to Pakistan's powerful military, which he had taken on as the PM, that he is moving on?

CAN IMRAN KHAN MAKE IT IN THE

Imran Khan is also a graduate of Oxford, where he studied politics, philosophy and economics at Oxford's Keble College in the 1970s. He earned an honours degree for the university's cricket team. If he does

become the chancellor, he would be the first of Asian descent. It wouldn't be something only for Pakistan, but it would be a great achievement for all of Asia and the rest of the world," Bukhari added. Voting will take place from October 28. But only Oxford graduates and members of the university can vote. The chancellor appoints the vice-chancellor and deals with fundraising and advocacy.

## UK Sperm Exports Lead To Global Increase In 'Half-Siblings': Report

Source: Bureau A legal loophole is allowing sperm donated in the UK to be exported to other countries, potentially leading to the creation of large numbers of donor-conceived children worldwide. This practice violates the UK's strict 10-family limit that applies within its fertility clinics, as there are no restrictions on exporting sperm or eggs abroad. Experts warn that this could result in donor-conceived children having dozens of biological half-siblings across Europe and beyond. They are urging the Human Fertilisation and Embryology Authority (HFEA) to

tighten regulations to prevent this from happening.As per The Guardian, "If you believe that it's necessary to enforce the 10family limit in the modern world then logically that should apply wherever the sperm are from," said Prof Jackson Kirkman-Brown, chair of the Association for Reproductive and Clinical Scientists



(ARCS). "There is data showing that some of the children who find the really big families struggle with that," he added.

by TaboolaSponsored LinksYou May Like"Once you've frozen sperm it doesn't get any older," said Mr Kirkman-Brown. This means that a donor sperm could continue to be used for years or decades. "You can end

your parents, which is not somewhere we've been yet," he

### **TRENDING NOW**

Prof Nicky Hudson, a medical sociologist at De Montford University, said, Donations are "presented to donors as a beautiful gift to help someone create a family, not as, 'We're going to maximise the number of births from your gametes and make as much money as we can from that."The 10-family limit

across licensed clinics is

enforced by the Human Fertilisation and Embryology Authority (HFEA). According to the regulatory body, this limit reflects the number that people feel comfortable with regarding the potential number of donorconceived children, half-siblings, and families that could be created.

up with donor siblings older than "As the HFEA has no remit over donation outside of HFEA licensed clinics, there would be no monitoring of how many times a donor is used in these circumstances," said Rachel Cutting, director of compliance and information at the HFEA. According to the reports by The Guardian, Until five years ago, the United Kingdom primarily imported sperm, mainly from the US and Denmark. However, between 2019 and 2021, the UK exported 7,542 sperm straws. Additionally, the world's largest sperm and egg bank, Cryos, opened a facility in Manchester this April. As per the reports, The European Sperm Bank, which accounted for 90% of exports, applies a worldwide limit of 75 families a donor and estimates that its donors help on average 25 families."The concept of a father with many children is already ingrained in our cultural imagination. However, we don't have a similar concept for women," observed Prof. Nicky Hudson, adding that it's not something women are encouraged to consider.

### **NEWS BOX**

### Phil Foden thanks Pep **Guardiola after winning PFS** player of the year award

New Delhi Manchester City midfielder Phil Foden won the Professional Footballers' Association (PFA) Player of the Year award on Tuesday after helping his club win a record fourth successive Premier League title. The 24-year-old scored 19 times and delivered eight assists for Pep Guardiola's team as they pipped Arsenal to the title on the last day of the season. Foden expressed his gratitude for the award, highlighting the importance of recognition from his peers. Foden beat competition from City's Erling Haaland, who won the award last year, and Rodri, plus Chelsea's Cole Palmer, Arsenal's Martin Odegaard and Aston Villa's Ollie Watkins. He also acknowledged his teammates who were voted into the PFA Team of the Year, including Kyle Walker, Rodrigo, and Erling Haaland."Winning this award is something very special and I am very



proud and grateful for it," Foden said. "To be recognised in this way by your peers means everything and I would like to thank everyone who voted for me. I would also like to give a special thanks to Pep, the City coaches and all my teammates for helping me to get better every day."Chelsea winger Cole Palmer, 22, was named Young Player of the Year after scoring 27 goals and registering 15 assists in all competitions in his first season with the London club after leaving City. Manchester City women's team forward Khadija Shaw claimed the Women's Player's Player of the Year crown after topping the WSL scoring charts with 21 goals last season.

Manchester City began their title defence with a win over Chelsea in their first game. Erling Haaland and Mateo Kovacic were on the scoresheet as they clinched a clinical 2-0 win over the Enzo Maresca team.

### All eyes on Jay Shah as ICC chairman Barclay opts out of 3rd term

New Delhi Current ICC chairman Greg Barclay on Tuesday opted out of a third term following the end of his tenure on November 30, fuelling speculations on BCCI secretary Jay Shah's future at the sport's governing

Whether Shah will be interested to throw his hat in the ring will be clear by August 27, the last date for filing nominations for the chairman's post. An ICC chairman is eligible for three terms of two years each and Barclay, a New Zealand-based attorney, has so far completed four years."ICC Chair Greg Barclay confirmed to the Board that he will not stand for a third term and will step down from the post when his current tenure finishes at the end of November. Barclay was appointed as the Independent ICC Chair in



November 2020, before being re-elected in 2022," the ICC stated in a media release. As per ICC rules, the chairman's election comprises of 16 votes and now a simple majority of nine votes is required (51%) for the winner. Earlier, to become the chairman, the incumbent needed to have two-third majority. Current directors are now required to put forward nominations for the next Chair by 27 August 2024 and if there is more than one candidate, an election will be held with the term of the new Chair commencing on 1 December 2024."Shah is considered as one of the most influential faces in the ICC board room. He is currently the head of ICC's allpowerful Finance and Commercial Affairs (F&CA) sub-committee.He enjoys a lot of goodwill with most of the 16 voting members. Currently, Shah has another one year left as the BCCI secretary before going on a mandatory cooling off period of three years from October, 2025.As per the BCCI constitution approved by the Supreme Court, an office bearer can stay for six before he needs to go for a cooling off of three years. In all, a person can stay in office for a cumulative period of 18 years.

# Mayank Yadav cannot be wrapped in cotton wool: Mhambrey on injury-prone pacer

Former India bowling coach Paras Mhambrey has advocated that Mayank Yadav bowl as much as he can. The injury prone pacer has been away from the game after playing 4 matches in the Indian Premier League's 2024 season.

New Delhi. After a sensational debut in the Indian Premier League's 2024 season, things have been eerily quiet for Mayank Yadav. The young pace sensation from Delhi who took the world by storm with his exceptional speed and accuracy has not played a single match since the conclusion of the tournament. Former India bowling coach

Paras Mhambrey has advised that Yadav should not be kept in a cotton wool by the Board of Control for Cricket in India and rather should be bowling as many overs as possible in the nets, at this young age.

The 22-year-old, playing for LSG consistently breached the 150 kmph mark in the 4 matches that he bowled in, leaving seasoned batsmen bewildered. In his debut match against PBKS, Mayank clocked a speed of 155.8 kmph, the fastest ball of IPL 2024 at that point. He took three wickets, including those of Jonny Bairstow and Prabhsimran Singh, and was

instrumental in LSG's victory. This performance was not a one-off, as he continued to impress against RCB, where he clocked a speed of 156.7 kmph, the fastest delivery in IPL 2024.

Mayank Yadav: Dark horse in BGT?

Manchester City began their title defence with a win over Chelsea in their first game. Erling Haaland and Mateo Kovacic were on the scoresheet as they clinched a clinical 2-0 win over the Enzo Maresca team. However, the pacer has been out of action since then. Mhambrey, while speaking to Indian



Express said that Mayank Yadav needs to play first-class cricket to build his bowling muscles and adjust his body to the load of fast bowling."I don't agree that if he is not ready, just don't play him. This is the age where he has to bowl. A bowler should bowl. The more you bowl, the more you will have control, you will know your threshold as to how much your body can take. You can't wrap him up in cotton wool saying he will get injured. We can't overbowl and burn him out but we have to be smart about how much he should bowl. As a fast bowler, he needs to play first-class cricket," Paras Mhambrey told The Indian Express."When you play

one season, you understand your bowling. You bowl in different conditions. Physically, you will be tested in different phases of the game. Sometimes, you will have to be on the ground for six sessions. And to be able to bowl with the same intensity in the last session will give you confidence when you play at the international level. I strongly feel Mayank needs to grind it out in the domestic season," Mhambrey added. The

former India bowling coach said he did not care about the long term plan with Mayank, but wanted to see what the pacer brings to the table in the next 5 years."I am not looking at the next 10 or 15 years. I want to see what he can do in the next five. The next three-four years will be extremely crucial for him. Once he is 25-26, he will understand his body much better. And then he will have a good five years at the international level,' Mhambrey added on the matter.

Mayank Yadav is currently training at the National Cricket Academy in Bengaluru after opting out of the Delhi Premier League.

## **ENG** vs SL: England to pay tribute to **Graham Thorpe ahead of Manchester Test**

England cricket team will pay tribute to the late Graham Thorpe before the start of its Test match against Sri Lanka at Old Trafford, Manchester on Wednesday, August 21. Thorpe died by suicide, aged 55 on

Manchester, The England cricket team will pay tribute to former batter Graham Thorpe, who died earlier in the month, ahead of the first of their three-match Test series against Sri Lanka. Before the national anthems at Old Trafford in Manchester on Day 1, England players will remember the celebrated cricketer. A tribute video will be played on the big screen at the iconic cricket ground.Stand-in captain Ollie Pope confirmed that the England players will wear black armbands throughout the Test match, which gets underway on Wednesday, August 21. Thorpe died by suicide on August 4 after battling 'major depression and anxiety'. His widow Amanda confirmed that Thorpe decided to take his own life despite multiple



Thorpe played 100 Tests for England before he worked with the senior national team in coaching roles. England vs Sri Lanka, 1st Test: All you need

passing away had hurt a lot of people in the

England dressing room, especially those

who worked with the former cricketer.

to know We'll have our black armbands on throughout the game and there'll be a tribute to him before. It has hurt a lot of people in that changing room. He was a great man. I probably had two or three years playing with him as a batting coach. I really admired him," Pope said ahead of the series opener."I remember him saying one thing to me, which was: 'Never let the runs you're scoring define you as a person'. In a bit of a rut when you're young, that was exactly what I needed to hear. It shows, for me, what a people's person he was"He was loved in the changing room. He's such a sad loss to everyone: to the country, his family, and the boys as well. He's missed, and we'll honour him this week," he addedThe opening of an inquest into the death of Graham Thorpe heard he died from multiple injuries sustained after being struck by a train at Esher railway station in Surrey on August 4, 2024. The coroner, Simon Wickens, expressed heartfelt condolences to Thorpe's family and all those affected by his life and career. England will begin the first of their three Tests against Sri Lanka on August 21, hoping to stitch an unbeaten run as the race of the World Test Championship final berths reaches its last phase. England, who are at the 7th spot, need to win all the remaining nine matches to stand a chance of making it to the final.England will be without injured Ben Stokes for the rest of the English summer due to a hamstring injury.

### Don't take Durand Cup matches out of Kolkata: Clubs make joint plea

Kolkata Three iconic and historic clubs of Kolkata, East Bengal, Mohun Bagan, and Mohammedan Sporting Club, held a joint press conference on Tuesday, 20 August, to demand justice for 'Abhaya'. The arch-rival clubs of Kolkata also jointly demanded that the remainder of the Durand Cup matches be played in Kolkata. The 'Big 3' also stressed that the protests made by the club supporters and officials should not be politicised. Last Sunday, the Derby match between East Bengal and Mohun Bagan was cancelled due to concerns over the law and order situation in the city. However, sports enthusiasts and fans did not take this decision well. Supporters of these iconic clubs were seen protesting against the West Bengal government and the police in front of the Vivekananda Yuva Bharati Krirangan on Sunday, 18 August, demanding justice for Abhaya.Debashis Dutta, Secretary of Mohun Bagan Club, stated, "We do not want to politicise the matter. We, from the three clubs, want justice for Abhaya."Citing security concerns, the Kolkata Police had informed the Durand committee that they could not provide a large deployment during the match. The supporters felt that the government was afraid and had to cancel the historic Kolkata Derby, one of the biggest derbies in Asia. Emotions ran high as the supporters took to the streets, demanding justice for the girl who was raped and murdered at RG Kar Hospital in Kolkata. The historic images showed the three rival clubs united in their protest, demanding justice for Abhaya. The protesters were heard raising slogans against the government and the police. The clubs also demanded justice for Abhaya. Ishtiaq Ahmed, Secretary of Mohammedan Sporting Club, said, "We are deeply saddened by the incident. We want justice for this. We demand justice for Abhaya and we want the accused to be hanged. Although cancelling a derby match hurts the sentiments of sports lovers, the police confirmed that they had information about potential chaos during the match, so they stopped it."In response to the protests in Kolkata and across India, the three iconic clubs jointly faced the media and briefed their side and plans for the coming days on the same issue."The police had given us the information that there might be chaos inside the football stadium during the match, which is why the intelligence of the police decided not to organise the Derby match. Therefore, they denied security. So, in the coming days, there are big matches of the Durand Cup to be held in Kolkata.

# Onus on Australia to prove dominance at home: Gilchrist on BGT 2024-25

New Delhi Legendary Australia wicketkeeper batter Adam Gilchrist feels that the onus is on the Pat Cummins side that they are still dominant at home, when India visit Australia late in 2024 to play the Border Gavaskar Trophy. India will be touring Australia for the showpiece 5match Test series, starting late November.Australia have not won the BGT in the last decade and will be looking to exact revenge against India. The Rohit Sharma side come to Australia on the back of winning two back to back BGTs down under, once under the captaincy of Virat Kohli and the other under Ajinkya Rahane. Speaking to the Times of India. Gilchrist said that India knew how to win overseas and Australia would have to work hard to beat the Rohit Sharma team."Onus is on Australia to prove they are the dominant force at home. India know how to go away Pat Cummins puts focus on BGT and win overseas," said Gilchrist, speaking The BGT will be both India and Australia's to The Times of India Gilchrist backed Australia to win the BGT but



said that it was going to be a close call."Naturally, I'm going to say Australia, hope they get there. But it's too close to call. It will be a close tussle," Gilchrist said.

final Test series before the World Test Championship Final in 2025. India

currently leads the WTC points table, while Australia are in the second position. It is expected that these two teams are going to qualify for the final, set to be hosted in Lord's during the English summer of 2025. While Australia lost the BGT 1-3 in 2023 while playing in India, they clinched the World Test Championship title beating Rohit Sharma's team. Australia went on a tremendous run by winning the ODI World Cup as well, once again beating India in the final.Australia spinner Nathan Lyon has already said that he is hungry to win back the Border-Gavaskar Trophy. Speaking about the series Lyon said that Australia have unfinished business with India in red-ball

The spinner praised the Indian side but said that he was really hungry to bring the trophy back to Australia."It's been ten years of unfinished business, it's been a long time, and I know we're extremely hungry to turn things around especially here at home,"

Border Gavaskar Trophy on par with Ashes for Australia: Mitchell Starc

Australia fast bowler Mitchell Starc feels that the Border Gavaskar Trophy against India is on par with the iconic Ashes series. Starc has hoped that Australia will win the bilateral series after 10 long years.

Pakistan had failed to chase down 120 runs in New York

New Delhi India are set to travel to Australia at the end of this year to play their showpiece Test series of the season - the Border Gavaskar Trophy. India and Australia have been the fiercest rivals over the past two decades and the BGT has turned into one of the most important Test bilaterals for India since they stopped playing bilaterals against



Pakistan, Australia fast bowler Mitchell Starc has said that the BGT is one of the most important Test series for their fans as well. Speaking to the Wide World Sports website, Starc has said that the BGT is on par with the Ashes for Australian cricketers and fans."Being five matches now it's probably right on par with an Ashes series. We always want to win every game at home and we know India are a very strong team," Starc

BGT 2024-25: Full Schedule

India and Australia are currently placed at the top of the World Test Championship points table and are once again likely to meet at the final, set to be played in 2025 at Lord's. India have made to two finals of the WTC but have not been able to win the competition yet. Last year, Australia outplayed India in the final of the

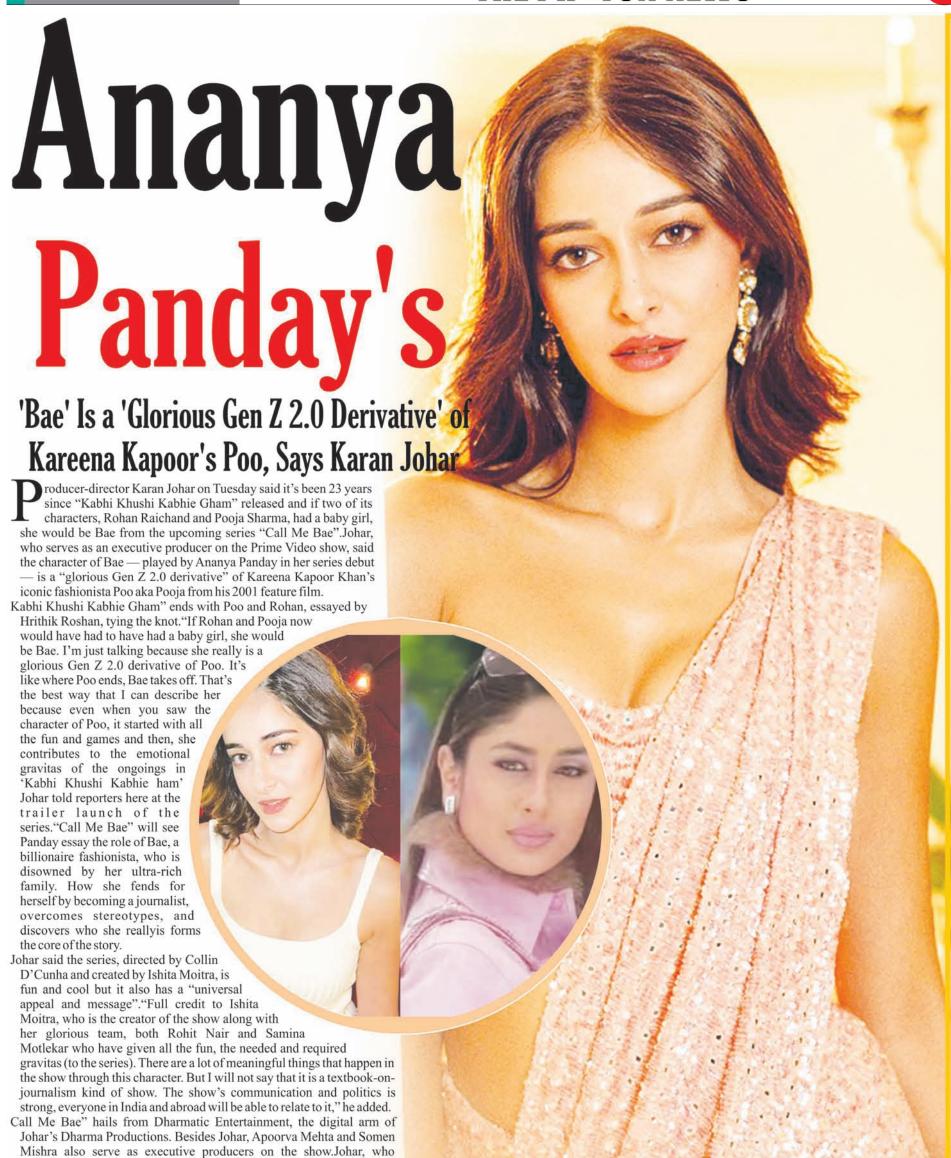
competition at the Oval in London. 'As we're placed at the minute we're the top two teams on the Test ladder... so a very exciting series coming up for the fans and certainly the players," Starc said.

Australia last won the BGT back in 2014, after which the series has been dominated by India, under the leadership of Virat Kohli, Ajinkya Rahane and Rohit Sharma. In the last BGT, hosted in India in 2023, India beat Australia 3-1 to reach the final of the WTC.

"Hopefully when we're sitting there on the 8th of January we have that trophy back on our shores," Starc further added.

The India vs Australia Test series starts on November 22 and will end in January with

Thursday, 22 August 2024



anya Malhotra

## Can't Wait For Fans To See Mrs At Indian Film Festival Of Melbourne

anya Malhotra is enjoying all the buzz surrounding her upcoming film, Mrs, which is an official remake of Malayalam hit, The Great Indian Kitchen. Even before its Indian release, the movie has been making noise at the global film stage. Recently, the movie received a thunderous response at the New York Indian Film Festival (NYIFF) and the team is now gearing up for its premiere at the Indian Film Festival of Melbourne (IFFM) in Australia. Taking to her Instagram story, Sanya shared her excitement for the screening, which is scheduled to be held on August 22. The actress also shared the IFFM poster and announced that the attendees will have a

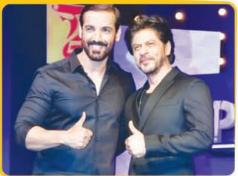
session.Directed by Aarti Kadav, the flick also stars Kanwaljit Singh and Nishant Dahiya in key roles. In the movie, Sanya plays Richa, who starts her journey with high hopes as she marries and moves into her new home. However, she soon faces a number of challenges. Despite her efforts to impress her in-laws by doing housework and cooking for the family, but whenever she tries to



make her own choices, she is reminded to follow house rules. Sharing her excitement ahead of the Melbourne premiere, the actress wrote, "I can't wait for you guys to watch this."

In June, when Mrs premiered at the New York Indian Film Festival (NYIFF), impressed by Sanya Malhotra's performance, the actress was honoured with the Best Actress award. Actor Harman Baweja's production company, Baweja Studios shared the good news on Instagram and congratulated the actress for winning the award at such a prestigious event.

John Abraham Reveals He Asked Shah Rukh Khan For A Motorcycle After Pathaan's Success: 'Unhone Bola...'



ohn Abraham's last film, Pathaan, was a mega success when it was released in theatres. John played the villain, Jim, against Shah Rukh Khan's Pathaan. The film also starred Deepika Padukone in a prominent role. After the film's super success, the cast and crew of the film celebrated with a special success party. However, John, who sleeps early, wanted to give it a miss. Hence, Shah Rukh had a special gift for him."My last film Pathaan was with him. I remember there was a success party after the film's release, and Shah Rukh was like, 'Come on John, let's party! Apni picture chal rahi hai. Achha opening mila hai. Maine bola nahi mujhe sona hai. 'Kya, sona hai?' 'Han, mujhe sona hai.' Toh unhone bola kya chahiye tumhe? Maine bola ek motorcycle de do bas. Toh unhone mujhe motorcycle gift ki. Main khush ho ke gaya ghar. (Our film is doing well. It's got a good opening. I said no, I've to sleep. 'What, you've to sleep?' 'Yes, I've to sleep.' So he asked me, 'What do you want?' I said just gift me a motorcycle. So he gifted me one. I went home happy)," John recalled on Zakir Khan's TV show.

Meanwhile, John Abraham is currently seen in Vedaa. Inspired by true and harrowing events, Vedaa delves into the dark and brutal world of caste-based violence and social discrimination. Drawing from the tragic stories of Manoj-Babli, victims of a heinous honour killing, and Meenakshi Kumari, who was subjected to a barbaric punishment by an all-male village council, the film centres on three key characters caught in the storm of societal injustice. News18 Showsha gave the film 3/5 stars. Our review of the film read, "On the acting front, Sharvari Wagh delivers a standout performance, showcasing a remarkable range that surprises and captivates. Whether portraying fierce determination, fear, or confusion, Sharvari handles each emotion with finesse, never compromising her craft.

### Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala Planning For a **Destination Wedding?**



aga Chaitanya and Sobhita Dhulipala surprised everyone earlier this month when they announced their surprise engagement. While everyone is now waiting for the two actors to tie the knot, it has now been revealed that they might have a destination wedding soon. Several unverified reports claim that Naga Chaitanya and Sobhita Dhuliapala are planning to host a destination wedding. Reports claim that the couple might announce their wedding date once the venue is finalized. However, there is no official confirmation about this as of now.

Previously, in an interview with Times Now, Chay's superstar father, Nagarjuna also asked if the wedding date is set to which he said, "Not immediately. Like I told you, we chose to have a hurried engagement because it was an auspicious day, and since Chay and Sobhita are very sure that they want to marry, we said, Let's do it."

Naga Chaitanya, who was previously married to Samantha Ruth Prabhu, got engaged to Sobhita Dhulipala on August 8, 2024. It was an intimate ceremony at Chaitanya's home, attended only by close family members. Sharing their first official pictures online, Naga Chaitanya's father, superstar Nagarjuna wrote, "We are delighted to announce the engagement of our son, Naga Chaitanya, to Sobhita Dhulipala, which took place this morning at 9:42 a.m.! We are overjoyed to welcome her into our family. Congratulations to the happy couple! Wishing them a lifetime of love and happiness. God bless! ?? 8.8.8 A beginning of infinite love ??."

Later, the couple also shared new romantic pictures from their engagement ceremony and wrote, "What could my mother be to yours? What kin is my father to yours anyway? And how did you and I meet ever? But in love, our hearts are as red earth and pouring rain: mingled beyond parting."Rumours about Naga Chaitanya and Sobhita's relationship began circulating in May 2023 when they were first spotted together in Hyderabad. Their bond drew further attention after a viral photo from their European holiday in June showed the couple enjoying a wine-tasting session, adding fuel to the speculation.



launched Panday in his 2017 production "Student of the Year 2", said it is

the actor's best work so far.